



# Letter From The Pen Of Founder

## Dear Readers

*We feel proud to submit that ours is a 'Yamuna Mission' tirelessly engaged in planting more and more trees and cleaning the most sacred river, Yamuna. For the last six years, 'Yamuna Mission' under the valuable guidance of prominent luminary saints and personalities, has been continuously engaged in planting millions of trees on the banks of the Yamuna between Vrindavan - Mathura by using the lakhs of tons of garbage dumped on its banks, sludge and dirty/contaminated water coming from the city areas of Mathura, and a result of which natural and celestial greenery has returned on the banks of holy Yamuna in Mathura, and cleanness of water in the Yamuna has also improved. It is, therefore, most humbly requested by 'Yamuna Mission' to invite the readers of this book to plant trees on the beautiful and celestial sites of Yamuna Ji and grace the occasion of Sandhya Aarti on various holy ghats beautified with natural picturesque. We would be obliged to infuse a new enthusiasm with every graceful presence and shall prove to be moraleboosting of all workers and volunteers attached to this mission. I am highly thankful to the revered saints, dedicated volunteers and workers for their relentless motivation, inspiration and efforts to the mission, without which I could not have even thought to materialise the objects of the mission.*



**Pradeep Kumar Bansal**  
**Founder**

# Mythological Significance Of River Yamuna / श्री यमुना जी के विषय में



यमुना सप्त मोक्षदायिनी पुरियों में से एक अपना अलग स्थान रखती है। इसके एक ओर भगवान श्री कृष्ण की 8 पटरानियों में एक यमुना के घाटों का अपना सौंदर्य एवं पौराणिक इतिहास छुपा है। यमुना में घाटों की संख्या 24 है। जिनके बीचों-बीच पचीसवाँ एक प्रमुख घाट विश्राम घाट है। इसी घाट पर दुष्ट मामा कंस का वध करने के बाद कंस को जमीन पर उसके पांव पकड़कर घसीटते हुए श्री कृष्ण बलराम ने देखा कि उसकी पीठ पर कुछ गड्ढे बन गए हैं, उस स्थान का नाम कंस खार के नाम से जाना जाता है, और उसी के निकट है विश्राम घाट। इसके उत्तर की ओर 12 और दक्षिण की ओर 12 घाट हैं। इन घाटों का निर्माण समय-समय पर राजा महाराजाओं द्वारा किया जाता रहा है। वर्तमान में घाटों का रखरखाव एवं मरम्मत सरकार के अलावा अनेक संस्थाओं द्वारा कराया जाता रहा है। अविरल यमुना की धार एवं बाढ़ के कारण यह घाट प्रायः टूट-फूट गए हैं अथवा टूटे हुए मकानों के मलबे में दब गए हैं, इन घाटों की मरम्मत एवं सौंदर्गीकरण का कार्य प्रमुख कार्यदाई संस्था “यमुना मिशन” द्वारा निरंतर किया जा रहा है, जिसमें से कुछ घाटों का रूप-स्वरूप अपने प्राचीन रूप में दिखाई देने लगा है।

The Yamuna is one of the Seven Mokshadayini Rivers (the seven rivers of salvation) in Hinduism. On one hand, it is one of Lord Krishna's queens. On the other side, its bank has 24 ghats, which are recognised for their beauty, art, and wealth. Vishram Ghat is the 25th ghat in the centre of the 24 ghats (12 ghats on the northern side and 12 on the southern side). After killing King Kansa on this ghat, Lord Krishan dragged his lifeless corpse on the ground, and Shri Krishan Balram noticed pits forming on his back, which is now known as Kansa Khar, and beside it lies the famed Vishram Ghat. The Kings and Maharajas have periodically rebuilt these Ghats. Apart from the government, numerous private institutions have maintained and repaired these Ghats. The Yamuna's unbroken flow and floods have repeatedly damaged or destroyed these ghats. Yamuna Mission has been repairing, renovating, and beautifying these ghats, and they are finally regaining their old beauty.

# ABOUT YAMUNA MISSION/ यमुना मिशन का संक्षिप्त परिचय

यमुना मिशन लोकनीति युक्त वृहद् जन भावनाओं से प्रेरित एक ऐसा स्वपोषित संगठन है, जो श्रद्धेय परम पूज्य ब्रजनिष्ठ गौ-सेवी, संत बाबा श्री ठाकुर दास जी महाराज एवं संतवृन्दों की सदप्रेरणाओं से प्रेरित होकर विगत कई वर्षों से यमुना शुद्धिकरण, प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के साथ वृहद् कल्याण हेतु दृढ़ संकल्पित होकर कार्य कर रहा है। “यमुना मिशन” भक्तावांछा कल्पतरू भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि व लीलाभूमि में ही जन्मे श्री प्रदीप श्री बंसल द्वारा प्रारम्भ किया हुआ एक ऐसा अभियान है, जिसकी स्थापना 15 फरवरी 2015 में कार्ष्णिपीठाधीश्वर परम पूज्य प्रातःस्मरणीय अनन्तश्री सम्पन्न स्वामी श्री गुरुशरणानन्द जी महाराजश्री एवं ब्रज की अनेकों मूर्धन्य संतों की पावन गरिमामयी उपस्थिति में यमुना शुद्धि संकल्प के साथ की गई।

**Yamuna Mission is an independent, unaided and non-profit organization dedicated to Community Service and welfare. Yamuna Mission has been blessed with guidance and counsel of the most revered Param Pujya Brajnishtha Gau-Sevi Sant Baba Shri Thakur Das Ji Maharaj and many esteemed Saints of Braj. Yamuna Mission is firmly dedicated to cleansing and purification of the Yamuna river, conservation of ecology and environment of the region, and welfare of the masses. 'Yamuna Mission' was initiated by Shri Pradeep Ji Bansal. He is the 'son of Soil of Braj'. 'Yamuna Mission' was founded on 15 February 2015 with a solid resolve to restore the former glory of Yamuna in the holy and gracious presence of Param Pujya Pratah Samarniya Anant Shri Sampann Swami Shri Gursharnanad Ji Maharaj and other revered saints of the region.**



# SOUL CONCEPT OF YAMUNA MISSION/ यमुना मिशन का प्राण वाक्य

यमुना मिशन अपने प्राण वाक्य “चंदा न लें, न दें” का अनुपालन करते हुए किसी भी प्रकार की सरकारी अथवा गैर-सरकारी आर्थिक मदद को स्वीकार नहीं करता। शारीरिक एवं भावनात्मक सहयोग सर्वदा स्वीकार्य है।

**Yamuna Mission is an unaided organisation and does not accept any financial grants or donations from Government agencies or any private sources or individuals. The 'soul purpose of Yamuna Mission is Seva, and Yamuna Mission believes in the principle of "Don't give and accept donations". However, emotional, mental and physical support is always welcome.**



# यमुना मिशन का शुभारंभ

यमुना जी विश्व के समस्त सनातन-धर्मियों की माता, सूर्य देव की पुत्री, यम एवं शनि की बहिन तथा भगवान श्रीकृष्ण की चतुर्थ पटरानी हैं। मथुरा की कालिंदी के किनारे अतिप्राचीन घाट यमुना जी के पौराणिक इतिहास एवं धार्मिक महत्व की गाथा को दर्शाते हैं। जहाँ पर भगवान श्रीकृष्ण के अनेकों लीलाएँ की हैं। किन्तु किन्ही अज्ञात कारणों एवं भयंकर उपेक्षा के कारण अतिभव्यता लिए हुए यह घाट और इनके आसपास के ऐतिहासिक एवं पौराणिक घाटों की दुर्दशा को देखकर अपना मिशन के संस्थापक श्री प्रदीप जी बंसल के मन में भाव आया कि क्यों न इन विलुप्त घाटों को पुनः प्रकट करने का अथक पुरुषार्थ किया जाय। आपश्री के पुरुषार्थ को जुटना शुरू कर दिया। परिणामस्वरूप जब यह कार्य प्रारम्भ हुआ तब लाखों टन कचरे के साथ भारी मात्रा में निकली कीचड़ के निस्तारण की समस्या आने लगी। श्री बंसल जी के मन में भगवान ने ही प्रेरणा दी कि क्यों न इस कूड़े-कचरे और कीचड़ के अम्बार को सार्थक रूप से प्रयोग कर, यमुना जी पुलिन को ही वृक्षों से आच्छादित कर दिया जाए। और इस तरह अभूतपूर्व ढंग से यही कचरा एवं कीचड़ वृक्ष लगाने हेतु भूमि तैयार करने के काम आने लगा। नालों से निकली हुई कीचड़ व कचरे के ढेरों को गाय के गोबर, बालू तथा पानी के साथ मिक्स करके उर्वरक भूमि तैयार की गई। इस तरह डम्पिंग ग्राउण्ड की अनुपयोगी जमीन को उपजाऊ भूमि के रूप में परिवर्तित कर फूल व छायादार वृक्षों का उपवन लगा दिया गया जो कि पॉलिथीनयुक्त कचरा एवं कीचड़ के निस्तारण के देख व्यापी विकराल एवं त्रासदायक समस्या आशाप्रद एवं सुखद परिणाम यह भी हुआ कि वृक्षों की बढ़त सामान्य वृद्धि दर की अपेक्षा दोगुनी से अधिक देखी गई।

इस प्रकार सृजनात्मक व रचनात्मक कार्य के उत्साहजनक परिणाम देखने के बाद मथुरा के हताश एवं निराश नागरिकों में नव ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। स्थानीय निवासियों के उत्साह को देखकर यहाँ मूर्धन्य संतों, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं, महिला संगठनों, साहित्यकारों, पत्रकारों, विद्यार्थियों एवं पर्यटक श्रद्धालुओं द्वारा भारी संख्या में हजारों किस्म की अति दुर्लभ एवं प्राचीन (पुराणों में वर्णित) प्रजातियों के वृक्षों का रोपण किया गया। तब से आरम्भ हुई वृक्षारोपण की यह श्रृंखला अनवतर जारी है, जिसका प्रत्यक्ष में आकर अवलोकन किया जा सकता है।

कूड़े-कचरे एवं कीचड़ के सफल निस्तारण के बाद दैत्याकार रूप लिए नाले एवं नालियों को एकत्रित कर एक ही स्थान पर जमा करने का सफल प्रयास हुआ। जिससे कि यमुना जी में जाने वाले नाले-नालियों को सीधे यमुना में गिरने से रोक देने में सफलता मिलने लगी। अब भारी मात्रा में हुए इस दृष्टिगोचर हुआ। इसके लिए पौधों की क्यारियों के समान्तर ही छोटी-छोटी नालियाँ लगाई गईं और उनमें उस एकत्रित गन्दे पानी को डाल दिया गया, इसका सुखद परिणाम यह निकला कि शुद्ध पानी तो भूमि के अन्दर चला गया जिससे कि भूमिगत जल-स्तर में भी वटि हुई। इसका बड़ा लाभ यह हुआ कि यह गन्दा जल बालू शोधन पद्धति के द्वारा वृक्षों की जड़ों को नमी प्रदान करने के काम आया। जिसके कारण वृक्षों की आशातीत एवं अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई। इस तरह दूषित नालों का विषैला पानी यमुना नदी में गिरने से पहले ही उपयोग में आ गया। छोटे-नाले-नालियों से निकली कीचड़ बहुत ही महंगी खाद होती है।

इसी अनुसंधान में यह पता लगा कि नाले-नालियों से निकली कीचड़ वृक्षों के लिए बहुत उपयोगी होती है, इस तरह जो भी वस्तुएं सबसे ज्यादा दुःखदायी एवं समस्यादायक थीं वही चीजें सबसे ज्यादा सुखदायी एवं लाभप्रद हो गईं। इस नई तकनीक से पूर्ण महाअनुसंधान एवं ऐतिहासिक प्रयास यमुना-मिशन द्वारा किया गया जो कि निरन्तर जारी है। सन्तों के वचनानुसार सेवक को सेवा बताई नहीं जाती है। वह तो सेवक के स्वविवेक से दिख जाती है। श्री बंसल जी के द्वारा यह एक अनूठा प्रयास प्रारम्भ किया गया है जिसका प्रत्यक्ष अवलोकन किया जा सकता है।



# **YAMUNA MISSION'S AUSPECIOUS UNVEILING**

The Yamuna is the most sacred river in Hindu mythology, and the Vedas call her Yami and Kalindi. She is also an Ashta-bharya of Bhagavan Shri Krishna. Bathing in or drinking Yamuna's waters is considered to erase sin. The Yamuna is the daughter of Surya, the sun deity and the goddess of the clouds.

The ancient Ghats on Kalindi's banks tell of Yamuna's glorious history and religious importance. The hallowed riverbanks bear testimony to Lord Krishna's Divine Leela. Sadly, the harsh hands of time stripped these sacred antique ghats of their sacredness. Eventually, these historical and sacred sites became unclean, contaminated, and smelt rubbish. Many ghats were extinct due to sludge and rubbish heaps. Disturbed by the pitiful state of these fabled ghats, Shri Pradeep Bansal, founder of Yamuna Mission, vowed to restore their previous splendour and regality. Mathura villagers came out in force to support Shri Bansal Ji's untiring efforts. Their mental and physical support gave Yamuna Mission a new lease on life. Cleaning the ghats and Yamuna Ji threw several obstacles in our way. The first problem was to dispose of mountains of rubbish, sludge, and other debris from the riverbed and ghats safely and effectively. Shri Pradeep Bansal sought help from the Luminary Saints of Braj. After considerable thought, debate, and deliberation, an indigenous concept was devised to efficiently recycle rubbish and retrieve sludge. It was recommended to combine sludge and discarded waste with mud and utilize it for crops. It was planned to cover the Yamuna banks with flora (native to the land). It was a mix of contemporary and old scientific procedures. The seemingly impossible and onerous challenge was solved, and preparations began. The site was prepped with a mixture of rubbish, sludge, mud, and cow dung, and native tree and shrub seedlings were planted there. The findings were unprecedented, historical, and set a precedent. Plants and saplings grew faster than usual.

**Old trash and wasteland become a clean and lush location. This method's success cleared the door for others.**

**The optimistic findings re-energized Mathura's residents and people. Thousands sm and grit Many prominent Saints have planted thousands of rare and old (mentioned in the Puranas) trees endemic to the region.**

**Government officials, public personnel, and social groups. Women, litterateurs, journalists, students, and tourists Devotees This network of tree plantations continues, and anybody visiting the site can plant a tree.**

**The Yamuna used to be a beautiful blue river, but today it is one of the world's most polluted.**

**The success of eco-friendly waste disposal prompted us to take on the next challenge. The next concern was to stop dirty water from municipal drains flowing into the Yamuna. Millions of gallons of chemical-laden filthy water poured into the river. The sewage and industrial effluents killed aquatic life and turned the river into a large open sewer. Yamuna Mission used an indigenous solution to the challenge. The first step was to prohibit drains from flowing directly into the river. The drain poured into a long canal parallel to the river. This Polluted water from the city's significant sewers was filtered using sand and utilized to irrigate the seedlings. Using drain water had several benefits. First, contaminated drain water was separated from Yamuna's holy water. The second significant benefit was that the filtered water was utilized to irrigate the planted seedlings. It also refilled nearby water tables. This work also enhanced the Yamuna's water quality.**

**Shri Pradeep Bansal's professional advice and wise leadership are helping Yamuna Mission succeed.**

**Creativity helped Yamuna Mission write its own storey. One of the greatest His persistence and ability to think beyond the box made him a successful storey. Work speaks for itself. In the words of saints, human beings may serve others. A true self giver without expecting anything in return. Giving and praying are the wellspring of God. Shri Bansal Ji's honest and faithful efforts reflect these emotions.**

# यमुना मिशन के कार्य

यमुना मिशन का प्रधान कार्य अधिक से अधिक वृक्षारोपण करके अनुपयोगी भूमि को उपजाऊ बनाना व वर्षाजल का संग्रहण करके भूजल के स्तर को ऊपर लाना है। जिसके अनेक उदाहरण हैं। लातूर जैसे सूखाग्रस्त क्षेत्र में नहर की खुदाई द्वारा भूमिगत जल स्तर सुधार हेतु सफल प्रयास किया गया। दिल्ली के विलुप्त निगम बोध घाटों को निकाला गया। एक ओर जहाँ विश्व के सबसे बड़े गौ तीर्थ पथमेड़ा गोधाम में परमपूज्य गौ ऋषि स्वामी श्री दत्तशरणानन्द जी महाराज के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से रेगिस्तानी इलाकों में भी भारी संख्या में वृक्षारोपण किया गया, वहीं भगवान श्रीकृष्ण की क्रीड़ास्थली गोकुल-रमणरेती के परिक्रमा मार्ग में भी वृक्ष लगाये गये। जिनकी अलौकिक छटा मन को आल्हादित करती है तथा जिनकी शीतल छाया लाखों श्रद्धालुओं को सुख प्रदान करती है।

## यमुना मिशन के अन्य कार्य

यमुना मिशन के द्वारा ब्रज के कई पौराणिक कुण्डों एवं सरोवरों का पंकोद्धार एवं जीर्णोद्धार किया गया जिसके परिणामस्वरूप भूमिगत जलाशयों में जल-धाराओं के अनेक स्रोत फूट पड़े, जैसे कि परासौली स्थित (महारास स्थली) चन्द्रसरोवर तथा जतीपुरा का हरजी कुण्ड। गोवर्धन में स्थित कुण्डों के सफल एवं उत्साहवर्धक पंकोद्धार के कार्य को देखकर ब्रज के एक छोर पर स्थित कौरेर (राजस्थान) के निवासियों ने “यमुना मिशन के संस्थापक जी से अनुरोध किया कि वह कमल कुण्ड पर भी ऐसा ही कार्य कराये। ग्रामीणों के आग्रह को स्वीकार कर राजस्थान के कौरेर स्थित कमल-कुण्ड पर भी यमुना मिशन के समर्पित कार्यकर्ताओं एवं वहाँ के स्थानीय निवासियों के शारीरिक एवं भावनात्मक सहयोग से जीर्णोद्धार किया गया। साथ ही साथ वहाँ भारी संख्या में वृक्षारोपण किया गया। इन सभी पौराणिक कुण्डों की भव्यता शब्दों में व्यक्त नहीं की जा सकती है, इसकी अनुभूति प्रत्यक्ष दर्शन करके ही की जा सकती है। बढ़ते शहरी क्षेत्रों तथा घटते वन क्षेत्रों के कारण गौ वंश, वानर वंश एवं पशु पक्षी तथा जलचरों के रहने के स्थान का अभाव हो गया है। इस विश्वव्यापी समस्या के कारण कई दुर्लभ प्रजातियों के प्राणी विलुप्त होते जा रहे हैं, ऐसे में क्षुधा पूर्ति न होने से वे अत्यन्त कष्ट पा रहे हैं। जिससे स्थानीय निवासी, पर्यटक एवं तीर्थयात्रियों में भारी रोष उत्पन्न होता है।

यमुना मिशन अपनी सीमित सामर्थ्यानुसार मथुरा के यमुना तटों पर केला, गूलर तथा अन्य प्रकार के फलदार वृक्ष लगाकर इस समस्या का निराकरण करने का अनवरत प्रयास कर रहा है। यमुना मिशन द्वारा किये गये कार्यों से मानव सहित सम्पूर्ण प्रकृति को हुए लाभ:

1. कूड़े-कचरे के लाखों टन अम्बारों को हरे सोने में परिवर्तित करना।
2. मथुरा के कालिन्दी तटों पर सघन वृक्षावली द्वारा हरित चूनर का श्रृंगार करना।
3. बंजर भूमि को उपजाऊ बनाकर वृक्षों की जड़ों द्वारा नदियों के किनारों का कटाव रोकना तथा भूजल के स्तर को आशातीत रूप से बढ़ाना।
4. आमजन व बच्चों को प्रकृति के बारे में जानकारी कराना तथा पौराणिक तथा ऐतिहासिक घाट, ‘तीर्थ, वन-उपवनों की खोज कर संस्कृति संरक्षण की दिशा में कार्य करना।
5. सघन वृक्षों के कारण ओजोन लेयर का संरक्षण होना एवं घनघोर हरियाली के कारण आस-पास के तापमान में कमी होना।





6. आम लोगों के कचरे की दुर्गन्ध व उनसे पनपने वाली बीमारियों से बचाते हुए उनके लिए सुन्दर ताजा व स्वच्छ हवा, पुष्पों और हरियाली से युक्त वातावरण का प्राकृतिक रूप निर्माण।
7. प्रदूषित जल को प्राकृतिक रूप से शुद्ध कर नदियों में गिरने से रोकना।
8. सधन वृक्षावली पर अनुकूल स्थान, सुरक्षा, भोजन और जल मिलने के कारण विभिन्न प्रकार की प्रजातियों के जीव जन्तुओं के अभ्यारण्य का उदय होना।
9. देश के किसानों एवं कृषि विद्यार्थियों को आर्गेनिक खेती के लिये प्रशिक्षित करना।
10. अधिक से अधिक जैविक कृषि उत्पादों को बढ़ाया देना।
11. हरित सौंदर्यीकरण के माध्यम से पर्यटन को अधिक से अधिक बढ़ावा देना।

“यमुना मिशन के कार्यों का विस्तृत भूभाग में रह रहे यमुना भक्तों तथा समस्त प्रकृति प्रेमियों पर अत्यधिक अनुकूल प्रभाव पड़ा, जिससे 1 करोड़ 10 लाख से अधिक समर्थकों के साथ यमुना मिशन का फेसबुक पेज विश्व में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पेजों में से एक बन चुका है।”

यमुना मिशन के 1 करोड़ 10 लाख से भी अधिक प्रकृति प्रेमी समर्थकों के हृदय की आशा, अभिलाषा, बनकर ब्रज वसुंधरा को हरितम स्वरूप में देख पाने की आकांक्षा को पूर्ण कर रही है।

1. गंदे नालों के दैत्याकार रूपी प्रवाह से आक्रान्त, चीत्कार करती हुई भारत की रक्त शिरारूपी पावन नदियों में गन्दे जल की एक बूंद भी न जाने पाए।
2. इस पावन पुण्य पुरातन देश की ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति की रीढ़ समस्त पुण्यमयी नदियों के तटों की तपोभूमि को सधन वृक्षों से आच्छादित करके साथ ही उनका स्वच्छ, पवित्र एवं निर्मल, अविरल प्रवाह बने।



# Yamuna Mission Works



**Yamuna Mission is a non-profit organisation promoting environmental awareness and Braj Sanskriti. It is an autonomous agency that addresses environmental issues in the Braj area with direct input from locals. Achieve a healthy and sustainable environment.**

**Converting useless garbage and landfill land into green places.  
Cleansing and freeing the Yamuna River.  
Restoring the Yamuna's previous splendour and importance.  
Plant other native trees to provide green cover.  
Eco-friendly trash and rubbish disposal  
Increase the groundwater table.  
Rainwater Harvesting  
Stop filthy drain water from entering the Yamuna.  
Restoration of traditional water bodies (Kunds, Talabs, Johads, etc.)  
Revival of vanished Braj kunds and ghats.  
Conserve the region's biodiversity and environment.  
Campaign to educate and increase awareness about environmental issues.**

**The evidence is in the eating. Everyone can see the results of Yamuna Mission's work. Thousands of shade and fruit trees have grown along the Yamuna between Mathura and Vrindavan. Its water quality has improved, and its groundwater level has risen dramatically in recent years. All have praised Yamuna Mission's efforts. We also have a water collecting operation in Latur, Maharashtra. Canals rescued millions of gallons of rainfall in drought-stricken Latur, Maharashtra. These canals gathered runoff rainfall and transported it to a collection location. It also elevated the groundwater table, giving relief to many suffering from the terrible drought. The long-lost Nigam Bodh Ghats in Delhi were re-excavated from the muck. The Nigam Bodh ghats are the epitome of widespread indifference, and these ghats were restored, cleaned, and beautified for the Delhiites. That same unselfish dedication is seen at Pathmeda Gau Dham's world's largest cow refuge, Yamuna Mission. Planting trees in the desert has been quite successful thanks to Param Puja Gau Rishi Swami Shri Datta Sharanand Ji Maharaj's blessings. The Yamuna Mission has planted hundreds of trees along the Gokul-Raman Reti Marg parikrama path in Gokul, Lord Krishna's sacred playground. So Gokul recovered its original beauty. The natural beauty of Gokul brings delight and satisfaction to tourists and devotees.**





# Other Works of Yamuna Mission



As a result, the Yamuna Mission has renovated/revived many legendary and historic holy reservoirs in Braj. To dig these 'Pracheen? Kunds, vast amounts of rubbish and sludge were removed. Natural water streams (springs) in the ponds and reservoirs' beds were opened and revived. Natural springs burst automatically, filling the ponds and sarovars with pure water.

The sacred Chandra Sarovar at Parasauli (Place of Maharas) and Harji Kund at Jaipur, both in Govardhan, were neglected. The Yamuna Mission's "Seva" of these ponds has restored their natural beauty and majesty. They are now a key draw for devotees to "Parikrama Marg".

Encouraged by the success of the Govardhan pond restoration, the villagers of Kourer (Rajasthan) asked the founder of Yamuna Mission to restore Kamal Kund (Lotus Pond). In

response to the residents' plea, Yamuna Mission took on the issue of cleaning the Kamal Kund. The devoted employees of Yamuna Mission restored the angelic beauty of the Kamal Kund with the inhabitants' help. Lots of trees were planted. The restored legendary pools' majesty and grandeur are incomparable.

Urbanisation and pollution have increased deforestation and indiscriminate resource consumption in recent years. Loss of green cover and water supplies has resulted in a loss

of natural habitat for animals, birds, and aquatic life. Many unusual animals and birds native to the area are endangered. Residents, visitors, worshipers, and pilgrims were enraged. Banana, Sycamore, and other fruit trees were planted along the Yamuna's banks

to provide natural shelter and food for animals and birds. Yamuna Mission's programmes

have greatly benefited the Braj area's flora and fauna. Humans also enjoy the Dalits Yamuna. This location soothes tired hearts, and you must see it!





## **The Yamuna Mission's work summary:**

**Waste becomes green gold - millions of tonnes.**

**Planting thousands of trees along Kalindi's banks.**

**Prevented riverbank erosion by turning barren and wasteland into fruitful and verdant.**

**Rising groundwater level.**

**Campaign to educate the public, particularly youngsters, about nature and conservation.**

**Braj cultural heritage conservation**

**Many legendary and historical ghats, kunds, and pilgrimages on forest groves of religious value revived.**

**Creating thick woods and grooves to protect the ozone layer**

**Temperature drop slows global warming.**

**Creating a healthy recreational space instead of a landfill.**

**Using natural filtering methods and technological procedures to stop industrial effluents and human waste polluting waterways.**

**Preserving biodiversity and encouraging the growth of flora and wildlife.**

**Encourage and train farmers to use organic farming methods.**

**Promotion of organic farming.**

**Promotion of eco-tourism and responsible tourism.**

**The works of Yamuna Mission have created a highly favourable, valuable and positive effect on everyone, especially the nature lovers residing in India and abroad. This is evident from the fact that Yamuna Mission's Facebook page has more than 10 million supporters, and it is one of the most visited pages in the world.**

**Yamuna Mission has planted hope and germinated optimism in the hearts of more than one crore nature lovers and supporters. Yamuna Mission is determined to achieve its objectives and leave no stone unturned to realise its goals fully.**



# यमुना मिशन के प्रेरणास्रोत Source of Inspiration for Yamuna Mission



ब्रजनिष्ठ परम गौसेवक संत श्री ठाकुरदास जी बाबा  
Brijnsth Gausevak Saint, Shri Thakur Das ji  
Baba

ब्रज के निराश्रित गोवंश के प्रथम आश्रय स्थल श्री सूर श्याम गौशाला के संस्थापक एवं यमुना मिशन के प्रेरणास्रोत विरक्त ब्रजनिष्ठ परम गौसेवक संत श्री ठाकुरदास जी बाबा सूरदास जी की तपस्थली और श्रीकृष्ण भगवान की महारास स्थली चंद्रसरोवर पर विराजते थे। आपश्री का चिंतन यमुना जी, गायों, ब्रज के वनों, सरोवरों के हित में निरन्तर लगा रहता था। बाबा की प्रेरणा से श्री गिरिराज जी की तलहटी को कचरामुक्त करने के साथ सर्वप्रथम श्री चन्द्रसरोवर का पंकोद्धार यमुना मिशन द्वारा (जिसका कि विधिवत गठन बाद में हुआ) किया गया। तत्पश्चात यमुना पुलिन के अलौकिक श्रृंगार में यमुना मिशन प्राणार्पण से जुट गया।

The primary source of inspiration to Yamuna Mission, Param Pujya Brajnishth Gausevak Saint, Shri Thakur Das Ji Baba was the founder of Shri Sur Shyam Gaushala, which is known as the first shelter of the destitute cows in the Braj area. He lived at the Tapasthali of Baba Surdas Ji and Maharas-sthali of Bhagwan Shri Krishna at Chandra Sarovar. Parampujya Baba continuously contemplated the welfare of cows, forests of Braj and holy lakes/serovars and Yamuna Ji. With the inspiration of Parampujya Baba, the Yamuna Mission, before its formal incorporation, made the foothills of Shri Giriraj Ji free from garbage and dirt, simultaneously cleansing the holy Chandra Sarovar from a tremendous amount of silt followed by its renovation. After that, Yamuna Mission got entirely devoted to beautifying the banks of holy Yamuna Ji.

# यमुना मिशन संरक्षक / Yamuna Mission Patron



संत शिरोमणि महामण्डलेश्वरकार्ष्णि स्वामी  
श्री गुरुशरणानन्दजी महाराज परमाध्यक्ष- रमणरेती आश्रम,  
गोकुल महावन, मथुरा  
Sant Shiromani Mahamandaleshwarkarshni  
Swami Shrigurusharanandji Maharaj  
Paramdhyaksha - Ramanreti Ashram, Gokul  
Mahavan, Mathura

“ यमुना मिशन का कार्य उपासना है। इससे निष्ठापूर्वक जुड़ा व्यक्ति उपासक है। ये यमुना की उपासना है, श्रीकृष्ण की उपासना है, राष्ट्र की उपासना है, परमात्मा की उपासना है। ” यमुना मिशन के कार्यों से आविर्भूत होकर अपार स्नेह के साथ परम पूज्य महाराजश्री (रमणरेती) के हृदयोगार ।

"The works of Yamuna Mission are the 'Worship and Devotion'. Every selfless and teadfast associate of Yamuna Mission is worthy of being called true devotee. It is the true worship of Yamuna, the worship of Shri Krishna, the worship of Nation and the worship of Almighty." These words are the hearty revelation and love of Param Pujya Maharajshri (Ramanreti), who highly appreciates the works of the Yamuna Mission.



परम श्रद्धेय गोऋषि स्वामी श्री दत्तशरणानन्दजी महाराज  
संस्थापक- श्री गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा, जालौर,  
राजस्थान Most Revered Gorshi Swami Shri  
Dattasharanandji Maharaj Founder - Shri  
Godham Mahatirth Pathmeda, Jalore,  
Rajasthan

“जिस स्थान पर भयंकर दुर्गन्ध के कारण स्थानीय निवासी नाक बंद करके निकलते थे वहाँ आज अतिरमणीय स्वच्छ एवं सुगन्धित वातावरण के कारण लोग प्राणायाम कर रहे हैं।” यह महावाक्य अति हार्दिक प्रसन्नता होने के बाद पथमेड़ा गौधाम के संस्थापक एवं यमुना मिशन के संरक्षक गौ ऋषि परमपूज्य स्वामी श्री दत्तशरणानन्द जी महाराज की अमृतवाणी से यमुना मिशन को आशीर्वचन के रूप में प्राप्त हुआ है।

Earlier at this place, the locals and residents, held their breath due to the stench and stink. Now at the same home, people are doing mas in a clean and healthful environment."Delighted with Seva Works of Yamuna Mission Param Pujya Swami Shri Dattasharanand Ji Maharaj(the founder of Pathmeda Gaudham and a Patron of Yamuna Mission) blessed Yamuna Mission with these nectar-like words.





प.पू. जगद्गुरु द्वाराचर्य स्वामी श्री राजेंद्रदास जी महाराज  
परमाध्यक्ष- मलूकपीठ, श्रीधाम वृन्दावन, मथुरा  
Most Revered Jagadguru Dwarcharya Swami  
Shri Rajendradas Ji Maharaj Parmadhyaksh-  
Malukpeeth, Shridam Vrindavan, Mathura

श्रीधाम वृन्दावन से मोक्षदायिनी मथुरापुरी तक यमुना मिशन के द्वारा जो श्री यमुना जी का हरित चुनरी मनोरथ किया गया है, उसका दर्शन करके मन प्रसन्न हो गया। ये वृन्दावन के अक्रूर घाट से लेकर यहाँ गऊघाट तक जो हरी भरी चुनरी यमुना जी को उड़ाई है, ये दिव्य लता-पता वृक्षों की, वो ऐसा चुनरी मनोरथ है जो कभी समाप्त होने वाला नहीं है। यह यमुना जी का वास्तविक अर्चन वंदन है। श्री यमुनोत्री से लेकर प्रयाग तक यमुना जी का ऐसा ही स्वरूप हो जाये। आज पूरे विश्व में यह जो गन्दगी है, एक भारी समस्या बनी हुई है और बड़े-बड़े पढ़े लिखे लोग निरंतर प्रयास कर रहे हैं। किन्तु कोई समाधान सूझ नहीं रहा है। भारत को ही नहीं बल्कि पूरी दुनियाँ को यहाँ यमुना मिशन पर आकर शिक्षा लेनी चाहिए, लाखों टन कचरे को समाप्त करके एवं उस कूड़े कचरे के ऊपर यमुना मिशन द्वारा लाखों पेड़ लगाए, यह ब्रज भूमि का, यमुना जी का तथा यमुना जी के पुलिन का श्रृंगार किया गया है एवं निरंतर किया जा रहा है।

"The 'Green Chunari'(vegetation and green belt) from Shridham Vrindavan to Mokshdaiyini Mathura, offered to Shri Yamuna Ji by Yamuna Mission has been a joy to behold. The delightful greenery from Akroor Ghat of Vrindavan to Gau Ghat has left us longing for more. This is the real worship of Yamuna Ji. We pray that this 'Swaroop' of Yamuna Ji is perpetually maintained from Yamunotri till Prayag. At present, Waste management and garbage disposal is huge issue. Intelligentsia and scholars are continuously trying to find a sustainable solution to the problem. But all their efforts have been in vain. Yamuna mission has set an example for the world to follow. They should come here and learn from Yamuna Mission. By disposing of tonnes of garbage and by anting trees over it. Yamuna Mission is continuously adorning the Braj Bhoomi and Yamuna Ji."



प.पू. गीतामनीषी स्वामी श्री ज्ञानानन्दजी महाराज  
परमाध्यक्ष- श्रीकृष्ण कृपा धाम वृन्दावन, मथुरा  
Most Revered Gitamanishi Swami Shree  
Gyanandji Maharaj Paramdhyaksha - Shri  
Krishna Kripa Dham Vrindavan, Mathura

ब्रज की पावनधारा को प्रणाम, यमुना महारानी को नमन, आज का यह बहुत दिव्य और उल्लास से भरा दृश्य निःसन्देह आनन्दित कर रहा है, आह्लादित कर रहा है। जैसा श्रद्धेय भागवत भास्कर श्री ठाकुर जी महाराज ने सुन्दर शब्दों में बहुत ही रसीले भाव के साथ ब्रज की चार रानी और यमुना महारानी का महत्व सबका निरूपण किया और साथ ही जो संकेत किया, कि परम् यमुना भक्त बंसल जी हमें बैठकर जी स्वयं प्रभु ने जब जिस से जो कार्य करवाना होता है, तो उसके भीतर स्वयं ही कहीं न कहीं प्रेरणा बन कर बैठ जाते हैं, और ऐसा संकल्प आसान नहीं है, लाखों लोग हैं पैस वाले बंसल जी से भी बरत बड़े-बड़े लोग होंगे लेकिन धन का इस रूप में सदुपयोग करने का भाव जागृत होने में बहुत बड़ी बात जाता है। हमारे कन्हैया ने मानो बंसल जी का चयन किया है इस कार्य को करने के लिए।

**"Salutations to the Holy land of Braj, Salutations to the Yamuna Maharani, this Divine and exhilarating scene of today is undoubtedly joyful and ecstatic. The most revered Bhagvat Bhaskar Shri Thakur Ji Maharaj has beautifully narrated the significance of the four Maharanis of Braj and the Yamuna Maharani and has also appreciated Param Yamuna Bhakt Bansal Ji. I feel that Almighty Lord who dwells inside a person, Himself manifests as an inspiration to do such great works. It is not an easy task. There are many millionaires in this world. There may be more affluent and wealthy people than, Bansal Ji but it is more important to have the discretion to use wealth for the benevolence of others. I feel that our Kanhaiya has selected Bansal Ji to do this work."**



प.पू. संत श्री सियारामदास जी महाराज हनुमान बाग,  
गोवर्धन, मथुरा

**Most Revered Saint Shri Siyaram Das Ji  
Maharaj Hanuman Bagh, Goverdhan, Mathura**

यमुना मिशन को श्री सीताराम जी का पूर्ण कृपा प्रसाद प्राप्त है। ऐसे ही कृपा बरसती रहे श्री हनुमान जी महाराज से यही प्रार्थना करते हैं।

**Mission is blessed with the benediction of Shri Sita-Ram Ji. May the showers of blessings continue till eternity. We pray to Shri Hanuman ji Maharaj.” Yamuna Mission**



# यमुना मिशन कार्यकारिणी समिति Yamuna Mission Executive Committee



श्री महंत  
अद्वैतानन्द महाराज  
श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन  
निर्वाण भ्रमणशील मण्डल  
Shri Mahant  
advaitanand maharaj  
Shree Panchayati Arena  
very indifferent  
nirvana itinerant circle



महंत स्वामी श्री  
मदनमोहनदास महाराज  
परमाध्यक्ष- धीर समीर आश्रम  
वृन्दावन, मथुरा  
Mahant Swami Shree  
Madan Mohandas Maharaj  
President - Dheer Sameer Ashram  
Vrindavan, Mathura



श्री देवेन्द्र शर्मा श्री सुरश्याम  
गौशाला, चन्द्र सरोवर  
परसौली, मथुरा  
Shri Devender Sharma  
Shri Surshyam  
Gaushala , Chandra  
Sarovar, Parasauli,  
Mathura



गौ सेवक गोपेशकृष्णदास  
(गोपेश बाबा) श्री मलूकपीठ  
सेवा संस्थान, वृन्दावन, मथुरा  
Gau Sevak Gopesh  
Krishna Das (Gopesh  
Baba) Sri Malukpeeth  
Seva Sansthan,  
Vrindavan, Mathura



श्री राजीव बंसल (मथुरा )  
Shri Rajeev Bansal (Mathura)



गोवत्स श्री विठ्ठलकृष्ण श्री गोधाम  
महातीर्थ, पथमेड़ा, राजस्थान  
**Gau-Vatsa Shri Vitthal  
Krishna Shri Gaudham  
Mahateerth, Pathmeda,  
Rajasthan**



महंत श्री शिवरामदास जी  
महाराज, श्री श्यामचरण निकुंज  
आश्रम, वृन्दावन  
**Mahant Shri Shivrampdas  
Ji Maharaj, Shri  
Shyamcharan Nikunj  
Ashram, Vrindavan**



कार्ष्णि स्वामी श्री हरदेवानन्द  
महाराज, रमणरेती आश्रम, गोकुल  
महावन, मथुरा  
**Karshini Swami Shri  
Hardevanand Maharaj  
Ramanreti Ashram, Gokul  
Mahavan, Mathura**



श्री प्रदीप बंसल  
हरित यमुना मिशन संस्थापक  
**Mr. Pradeep Bansal  
Yamuna Mission Founder**



23



# KANS QILA

## कंस किला



2015



2022



# KANS QILA

## कंस किला

King Kansa's Fort was his house and is located on the northern bank of the Yamuna at Mathura. The massive walls of this fort protected the city from Yamuna waves. Later, Maharaja Sawai Jai Singh built an observatory at Kansa Fort to observe the planets. Though crumbling now, this fort still commemorates the sacred city of Mathura. The defence's very structure exudes former majesty and grandeur. This fort's walls are huge. The assailants couldn't readily penetrate these robust and protective fortifications. To increase safety, the defence had multiple internal roadways both above and below ground. These paths led to the Yamuna. King Kansa and his household may have utilised these roads to visit the Yamuna or to flee enemy raids. However, owing to lack of sufficient care and upkeep, this old fort and its surrounding walls began to deteriorate. The public and devotees were challenged to rebuild the fort and beautify the sacred environs of Yamuna owing to neighbouring mounds of waste deposited on the banks of Yamuna. Yamuna Mission took up this project 5-6 years ago, and the effects are now visible thanks to respected saints and dedicated volunteers. With millions of tonnes of waste strewn all around in 2015, the new image of 2021 depicts the huge flora and plantations in place these garbage dumping locations.

कहते हैं कि यमुना के उत्तरी तट स्थित कंस किला ही कंस का महल हुआ करता था। इसी किले की विशाल दीवारें यमुना जल की लहरों से शहर को बचाती थी। बाद में कंस किले पर ही महाराजा सवाई जयसिंह ने ग्रह नक्षत्रों का अध्ययन करने के लिए वैधशाला का निर्माण कराया था। खंडहर हो चुका यह किला आज भी शहर की पहचान है। किले का स्वरूप बताता है कि कभी यह भव्य और विशाल हुआ करता था। विशाल क्षेत्र में फैले इस किले की दीवार काफी लंबी और चौड़ी हैं। दीवारें इतनी मजबूत थी कि इन्हें तोड़ पान संभव नहीं था। सुरक्षा कि लिहाज से कई रास्ते इस तरह से बनाए गए जो भूमिगत होकर यमुना में निकल जाते हैं। माना जा रहा है कि इन्हीं रास्तों का प्रयोग कंस और कंस के परिवार वाले यमुना तक पहुँचने में किया करते होंगे। लेकिन उचित देख/रेख न हो पाने से कंस किले के पीछे की दीवार के आसपास की स्थिति भी जीर्ण/शीर्ण होने लगी थी। साथ ही यमुना किनारे जहाँ सुंदर दृश्य होने चाहिये थे, वहाँ गंदगी के ढेर मानों जन/मानस को चुनौतियाँ दे रहे हों, इस जगह का कुछ नहीं हो सकता। पुराने चित्र में आप स्वयं देख सकते हैं, कि किस तरह से यमुना मिशन की दृढ़ इच्छा शक्ति ने यमुना शुद्धिकरण की पहल करते हुए वर्ष 4237 में अपनी आरम्भिक यात्रा में ही एक महत्वपूर्ण स्थान की कार्याकल्प करने की ठान ली थी। जिसका सफल परिणाम इन चित्रों में आप देख सकते हैं।





# MAHILA UPVAN

## महिला उपवन



2015

In India, most women spend the whole day doing home chores. Considering their needs, Yamuna Mission created this garden where local ladies now care for their health and fitness.

Women come here to stroll, do yoga, etc., in the morning. Women Garden was named by Yamuna Mission to make them feel special.

Many ladies enjoy picking flowers for their Bal Krishna in the morning. Evenings are spent on the erected swings. As the women garden is lush green reminding them of Sawan every day, they may now enjoy swings without waiting during the month of Sawan and its rich greenery.



2022

महिला उपवन पूरे दिन घर की चार दीवारी में रहने के बाद महिलाओं की भी इच्छा होती है कि कुछ पल ऐसी जगह बितायें जायें, जहाँ वो खुली हवा में सांस ले सकें और अब वो सचमुच ऐसा कर पाती हैं। सुबह के समय यहाँ महिलायें आकर महिला उपवन में योग, प्राणायाम का अभ्यास करती हैं, तो कुछ को टहलना पसंद हैं। लेकिन वो खुश हैं कि उन्हें यमुना मिशन ने एक ऐसा उपवन बनाकर दिया जो उनका अपना है। सुबह के वक्त क्या रियों में खेलते ताजे फूलों को अपने बाल गोपाल के श्रृंगार हेतु ले जाती हैं। वहीं सांझ ढले यहाँ लगे हुए झूलों पर वो भी बड़ाकर हर्षित होती हैं। अब उन्हें सावन के झूलों की प्रतिक्षा नहीं करनी पड़ती अब तो हर दिन सावन और हर दिन हराभरा।



# YAMUNA UPVAN

## यमुना उपवन

प्रातः काल की मंगलबेला में यमुना जी का दर्शन, फिर वहाँ से उगते हुये सूरज के दर्शन, चारों ओर लहराते हुये सघन वृक्षों से शीतल संगन्धित पवन के झोंके। ऐसे सुंदर दृश्य देखकर भला किसका मन प्रशन्नचित्त न होगा और यमुना उपवन पर आप नित्यप्रति ऐसे असीम सुख की प्राप्ति कर सकते हैं। कुछ वर्ष पूर्व जहाँ लोग बदबू से नाक बंद करके चलते थे। आज वहाँ की शीतल सुगन्धित हवा में लोग प्राणायाम कर रहे हैं। युवा हो या बच्चे महिला हो या पुरुष और या हो वृद्ध जन सभी का जमघट यहाँ पर आपको दिखाई देगा। इस उपवन के यमुना जी के घाट के समीप होने के कारण भक्तजन नित्यप्रति यमुना स्नान पूजा व आरती का तो लाभ उठाते ही हैं। साथ ही वर्ष भर के अन्य त्यौहारों पर भी यहाँ आनन्दित होते हैं।



2022



2015

On the banks of the Yamuna Ji, hundreds of rees and birds chatter. Like every morning, Yamuna Upvan. People used to hide their noses due to the foul smell; however, today, the objects and surroundings have changed totally. Men, women, children, and the elderly gather for a walk, yoga, and pranayama every day. Because this Upvan/park is on the Yamuna Ji banks, devotees can take daily holy dips and perform Aarti here. People gather all year round to celebrate festivals.



# SANT PATH

## संत पथ



Saints are holy beings closest to God, and their benefits are always mysterious. So, everyone seeks blessings from holy saints and gurus on momentous occasions. The most famous saints in the country have blessed Yamuna Mission. A fresh wave of energy, passion, and impetus is infused into the efforts of Yamuna Mission every time their devout feet touch this sacred country. In Mathura, the most respected saints of India have been honoured to plant more and more trees along the banks of the Yamuna, naming the area "Sant Path".

Devotees visiting this Sant Path now receive mental tranquilly, devotion, and blessings. Resting under the shade of these trees on 'Sant Path' is a spiritual experience in itself, removing one from the everyday stress and fever. These trees on Path remind us of the saints' constant favours.



2022

संतों का आशीर्वाद जीवन में शुभता का प्रतीक होता है। इसलिये प्रायः जब भी जीवन में शुभ अवसर होता है। हम अपने गुरुजन से उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। किन्तु यमुना मिशन को पूरे देश भर के परमपूज्य संतों का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। उनके चरण कमल इस पावन भूमि पर जब/जब पड़ते हैं। यमुना मिशन को उनके आशीर्वाद के फलस्वरूप मिली ऊर्जा कार्य को और अधिक गति प्रदान करती है। यही कारण है कि एक विशेष स्थल पर सभी पूज्य संतों द्वारा लगाये गये वृक्षों को “संतपथ) नाम दिया गया है। आज इस पथ पर जाकर आपको आलौकिक अनुभव होगा। क्योंकि संतों द्वारा लगाये गये इन वृक्षों की सघन शीतल छाया में बैठने पर मानसिक व आत्मिक सुख अवर्णनीय है।



2015





# MOKSH DHAM

## मोक्ष धाम



2017

Even immediately behind Masani Mokshadham, there was a kingdom of filth and garbage. This place comes under Parikrama Marg. But when there are piles of dirt, how can the people come out and give parikrama? For this reason, the parikrama started leaving from the middle of the abode of salvation, from where the sentiments of the devotees were hurt even in leaving.

The Yamuna again changed the face of this place with her determination. Now, instead of the dirt, tree plantation has been done here, seeing which the permanent residents and the parikrama are happy.



2022

मसानी मोक्षधाम के ठीक पीछे के स्थान पर भी गंदगी और कूड़े कचरे का साम्राज्य था। ये स्थान परिक्रमा मार्ग के अंतर्गत आता है। किंतु जब गंदगी के अंबार हों तो परिक्रमार्थी वहाँ से कैसे निकल कर परिक्रमा दे पाते। इसी कारण परिक्रमार्थी मोक्ष धाम के बीच से निकल कर जाने लगे। जहाँ से निकल कर जाने लगे जहाँ से निकल कर जाने में भी भक्तजनों की भावनायें आहत होती थी। यमुना ने फिर अपने दृढ़ संकल्प के साथ इस जगह की काया पलट कर दी। गंदगी की जगह अब यहाँ भी वृक्षारोपण कर दिया गया। जिसे देख कर अब स्थायी निवासी ही नहीं परिक्रमार्थी भी प्रसन्न होते हैं।



# KRISHNA GANGA GHAT

## कृष्ण गंगा घाट

2015



2022





# KRISHNA GANGA GHAT

## कृष्ण गंगा घाट



There is always a way if you have the will! Success usually follows dedication. Since Krishna Ganga Ghat had vanished, its name was only preserved in literature, and people's recollections, the sight of it is beautiful and unique. During the Yamuna boom, many muck buried this Ghat, and its presence was forgotten. After many years, due to a revival of religious emotions, the 'Yamuna Mission' brought back the lost Ghats of Kanha. Yamuna Mission employees and machinery drained the sludge-filled Ghat. This noble endeavour attracted public assistance. After clearing the muck, Yamuna Mission decided to refurbish the Holi Ghat. Beautiful trees lined the Ghat's banks. Visitors and pilgrims still frequent this Ghat. They also explore bhajan kirtan devotional music here. Kids can also play for hours. Locals and visitors/devotees regularly take advantage of the attractive and healthy surroundings by performing yoga and physical activities.

It is also said that Maharishi Veda Vyasa was born here, where Holi Gangage, Yamuna, and Saraswati converge. Krishna Ganga Ghat is now a popular destination for Brijwasis, locals, tourists, visitors, and worshippers.

यदि आप लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करते हैं तो अवश्यमेव सफलता मिलती है। कृष्ण गंगा घाट का वर्तमान समय में इतना सुंदर दृश्य देखकर आप आश्चर्य चकित हो जाएंगे कि ये घाट वही है, जिसका केवल नाम शेष था, अस्तित्व नहीं। विगत वर्षों में यमुना नदी के उफान साथ आई गाद ने इन घाटों को भी जर्मीदोज कर दिया था और लोग भी भूल गए थे कि यहाँ कोई घाट भी था। लेकिन वर्षों बाद आये आस्थ के समुन्द्र में उफान आया और कान्हा के विस्मृत घाट “यमुना मिशन” के प्रयास से अस्तित्व में आए गए। दिन रात काम करके जेसीबी द्वारा कीचड़ गाद+हटाई गई। जन सहयोग मिला और फिर यमुना मिशन के द्वारा यहाँ जीर्णोद्धार कराया गया। घाट के किनारे पर सुंदर वृक्षावली लगाई गई। आज इस घाट पर लोग पूजन करते हैं। भजन कीर्तन के भक्तिरस से अविर्भूत होते हैं। बच्चे घंटों स्वच्छंद क्रीड़ा करते हैं। घने वृक्षों के बीच स्वच्छ वायु में लोग प्रायः सुबह और शाम के समय प्राणायाम, व्यायाम का लाभ लेते हैं। इस घाट के विषय में यह मान्यता है कि महाऋषि वेदव्यास की यह जन्मस्थली है। वेदव्यास जी ने यहाँ गंगा यमुना और सरस्वती का मिलन कराया था। वर्तमान समय में “कृष्णगंगा घाट” बृजवासियों में ही नहीं बल्कि पर्यटकों के भी आकर्षण का केन्द्र बन गया है।



# TULSI VAN

## तुलसी वन



2017



2022





# TULSI VAN

## तुलसी वन



The plant of Tulsi (Basil) has been occupying particular importance in Hinduism. Tulsi Ji has a prominent place in all rituals performed from birth to death. Since time immemorial, there has been a tradition of planting and worshipping Tulsi Ji in the courtyard of the houses to perform Sandhya Aarti every day. This tradition is still very much visible in the homes of Hindu devotees. In our scriptures, it has been given the status of the beloved of Lord Vishnu in the form of Vrinda. Following this ancient spiritual tradition, Yamuna Mission has planted more and more Tulsi plants giving them a sacred Tulsi Van (Tulsi Forest). In addition, fruits and trees have also been produced in this Tulsi Van. Presently this place has become a beautiful place of attraction for visitors.

हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे को विशेष महत्व दिया गया है। जन्म से लेकर मृत्यु तक होने वाले संस्कारों में तुलसी जी का विशिष्ट स्थान रहता है। सनातन काल से घरों के आँगन में तुलसी बिरवा लगाकर उसे पूजने, संध्या आरती करने की परंपरा है। अधिकांश धर्मपरायण हिन्दी अभी भी अपने आँगन में तुलसी का पौधा लगाते हैं। इसे वृंदा के रूप में भगवान विष्णु की प्रिया का दर्जा दिया गया है। यमुना मिशन ने तुलसी जी इसी महत्ता के अनुरूप तुलसी वन का सुन्दर रूप सजाया है। जिसमें बाह्य ओर तुलसी जी के वृक्ष चहुँ ओर लगाये गये हैं। इसके अलावा फलों और वृक्ष लगाये गये हैं। वर्तमान समय में यह स्थल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण निरन्तर लोकप्रिय होता जा रहा है।



# KAMDHENU UPVAN कामधेनु उपवन



2019

Inspired by revered Saints of the Braj Bhoomi, Yamuna Mission has developed a picturesque site near the Tulsi Van. It has been named after the mythical, sacred and wishes fulfilling Cow-Goddess "Kamdhenu" that rose from the churning of the Cosmic Ocean. This beautiful place is dedicated to the cherished cows of Bhagavan Shri Krishna.



2022

यमुना मिशन द्वारा निर्मित सुप्रसिद्ध तुलसी वन के निकट ही एक सुरम्य स्थल बनाया गया है। जिसका नाम संतों की प्रेरणा से कामधेनु उपवन दिया गया। सभी प्रकार की कामनाओं की पूर्ति करने वाली श्री कृष्ण की प्यारी गऊओं को समर्पित यह स्थल अत्यंत रमणीक है।



# SHAHID PATH

## शहीद पथ

दिनांक 15 फरवरी 423: के दिन को हम सभी भारतवासी कैसे भूल सकते हैं। जब देश की रक्षा करते हुए जवानों ने सर्वोच्च बलिदान के रूप में अपने प्राणों की आहुति दे दी। पुलवामा के शहीद जवानों के परिजनों के दारुण दुख की कोई सीमा नहीं। शहीद हुए जवानों की व्यक्तिगत क्षतिपूर्ति तो कोई भी नहीं कर सकता। लेकिन हम उनकी स्मृति में एक वृक्ष तो लगा ही सकते हैं। यह वृक्ष हम सभी को देश के लिये बलिदान हुए इन शहीदों की शहादत की याद दिलाते रहेंगे। इसी बात को दृष्टिगत रखते हुये यमुना मिशन द्वारा इन शहीदों की स्मृति में शहीद पथ पर वृक्षारोपण किया गया। देश प्रेम की राह में जान न्यौछावर करने वाले सैनिकों को यमुना मिशन की ओर से वृक्षारोपण कर श्रद्धांजलि दी गई।



Who can forget the 15th February 2018 when 70 Indian troops died safeguarding the country from terrorists in Pulwama (J&K). Theirs is a great sacrifice, and nothing on earth can repay their families for their loss. But we may plant a tree with our hands to memorialise their sacrifice and martyrdom. How Yamuna Mission, its employees, volunteers, and sponsors could keep mute. Yamuna Mission planted plants on Shaheed Path in their honour. Yamuna Mission pays tribute to the troops who gave their life in the name of patriotism by planting trees in their remembrance.

# SURBHI PATH

## सुरभि पथ



Yamuna Mission has developed a scenic and quaint path near the Tulsi Van. It has been named Surabhi Path after the Divine Cow Surabhi. The Surabhi Path has been dedicated to the cows, associated with divinity and Mother Earth. The cow is considered representative of divine and natural beneficence and is protected and revered. Seva of the 'GauMata' and flora and fauna of Braj is one the central beliefs of the Yamuna Mission.



2022

तुलसी वन से आगे वृन्दावन की ओर यमुना मिशन द्वारा सुरम्य सुरभि पथ बनाया गया है। आध्यात्म जगत की आधार गौमाता के लिए समर्पित यह पथ शीतल छाया प्राकृतिक सुगन्ध और माँ यमुना के मधुर जल से गौमाता को सन्तुष्ट करेगा। सभी जीवों के लिए चिंतन और हित यमुना मिशन का गहरा उद्देश्य है।



2019





# MASANI NALA TO JAISINGPURA REGION

## मसानी नाला से जयसिंहपुरा क्षेत्र



### BEFORE

Yamuna Mission continually prevents contaminated and polluted water from flowing straight into Yamuna Ji. Every day, Masani Nala carried lakhs of dirty discharged water from the city to Yamuna Ji. As a result, the trees grew almost twice as fast as they would have without the Yamuna Mission's intervention. At the same time, Yamuna Mission is purifying this unclean water with sand, and local farmers are using it for crops. An extensive planting in Jaisinghpura has been accompanied by swings and chairs for children and seniors to enjoy nature.



### AFTER

मसानी नाले से जयसिंहपुरा क्षेत्र मसानी नाले का विषाक्त जल यमुना जी में न जाये इसके लिये यमुना मिशन निरन्तर प्रयास कर रहा है। इसीलिये इस नाले को कई छोटी नहरों में विभक्त भी किया गया है। जिनसे वृक्षों में नमी बनी रहे। वहीं एक इसीलिये इस जल को कई छोटी नहरों में विभक्त जल बाबू शोधन प्रक्रिया द्वारा शुद्ध किया जा रहा है। जिससे यह जल बालू शोधन से शुद्ध हो रहा है। इस जल का एक फायदा यह भी है कि अब इस जल को किसान अपनी खेती में प्रयोग कर रहे हैं। जयसिंहपुरा क्षेत्र में भी वृक्षारोपण के साथ/साथ बच्चों के लिये झूले लगवाये गये हैं।



# YAMUNA PATH

## यमुना पथ



**2019**

Between Mathura to Vrindavan, along with the holy stream of Shri Yamuna Ji. on the Yamuna path covered with dense greenery on both sides, you will feel inside the blissful moments taking you to Shri Krishna's period described in the Puranas. In addition to many trees and plants, the rarest herbs, fruits, flowers etc., have also been planted on both sides of the Yamuna path.



**2022**

मथुरा से वृन्दावन के बीच श्री यमुना जी की पावन धारा के साथ दोनों ओर सघन हरियाली से आच्छादित यमुना पथ पर आपको पुराणों में वर्णित उस श्रीकृष्ण काल के आनंदित क्षणों की अनुभूति होगी। दुर्लभतम जड़ी/बूटियों, फलों और फूलों के अनेक पेड़/ पौधे यमुना पथ के दोनों ओर लगाए गए हैं।

# SURYAKUND

## सूर्य कुंड

ब्रज की महानतम विभूतियों, भक्ति के आधार स्तम्भ और बालरूप श्री कृष्ण के सखा अष्टछाप के कवियों के पावन स्मृति में यमुना मिशन द्वारा आपके नामों से सघन वनों की स्थापना के साथ एक पवित्र सरोवर सूर्य कुण्ड भी बनाया गया है। अत्यंत रमणीक वातावरण में यह दिव्य कुण्ड दर्शनीय और आचमनीय है।



2022



2019

In addition to naming various forests developed by Yamuna Mission on the names of luminaries and great saints of Braj, known as a pillar of devotion and the poets of Ashtachhap, also known as eight friends of Lord Krishna in his childhood, a sacred reservoir named as 'Surya Kund' has also been built and developed by Yamuna Mission. This kund, with its pure water and lush green site, is a beautiful scenic spot for devotees and tourists.



# BHARTHROAD BIHARI, VRINDAVAN

## भतरौंड बिहारी, वृन्दावन



### 2020

The story of Thakur Shri Bhatraud Bihari Ji Maharaj finds its place in the 23rd chapter of the Tenth Canto of Shrimad Bhagwat. This place is also famous by its name as 'Ashoka Van'.

Lord Shri Krishna is worshipped here in the name of Bhatraud Bihari Ji. But this sacred place was in poor condition. Yamuna Mission planted trees in huge quantities outside this temple premises and on both sides of the road from Vrindavan to Mathura after clearing entire garbage and dirty. Now Yamuna Mission is taking its care and maintenance continuously.



### 2022

ठाकुर श्री भतरौंड बिहारी जी महाराज की कथा श्रीमद्भागवत के दशम स्कन्ध के 45 वें अध्याय में मिलती है। यह स्थान अशोक वन के नाम से भी विख्यात है। भगवान श्रीकृष्ण ही यहाँ भतरौंड बिहारी के नाम से पूजे जाते हैं। इस मंदिर प्रांगण के बाहर वृन्दावन से मथुरा के रास्ते को कचरामुक्त कर दोनों ओर यमुना मिशन द्वारा वृक्ष लगाए गए हैं। और उनकी निरन्तर देखभाल भी की जाती है।



# JANKI GHAT, VRINDAVAN

## जानकी घाट, वृन्दावन

जानकी घाट से प्रसिद्ध यह स्थान वृन्दावन की सीमा में यमुना किनारे स्थित है, यहाँ भी गन्दगी के ढेरों को हटा कर वृहद वृक्षारोपण यमुना मिशन द्वारा किया जा रहा है।



2022



2020

The famous Janki Ghat is situated on the outskirts of Vrindavan on the bank of Yamuna. Yamuna Mission has started a large plantation drive in this area by removing heaps of filth all around so that this holy ghat could regain its beauty and glory.

# NH 2 LINK ROAD

## NH 2 लिंक रोड



2019



2022





# NH 2 LINK ROAD

## NH 2 लिंक रोड



It was challenging to get via this route before 2015 because of the extensive prickly shrubs. It is also close to a filthy water drain, contaminating the stagnant water and emitting a foul odour into the environment, increasing the risk of disease transmission in the surrounding regions. As soon as Yamuna Mission saw the plight of the inhabitants, it decided to take action. This region is part of Ward 40 and runs from Saraswati Kund to National Highway.

2. This road passes via Mali, Govindpura, and Azampur Colonies. Yamuna Mission began work on this route on August 29, 2019, and it is now a lovely green forest. On behalf of Yamuna Mission, Shri Ravindra Kumar Mandal, Municipal Commissioner, and Dr Mukesh Aryabandhu, Mathura- Vrindavan Mayor, inaugurated a massive planting initiative on October 2, 2019, alongside citizens and school kids. Yamuna Mission has also erected several swings for children to beautify this path. Residents now frequent this green and healthy environment.

यमुना मिशन मार्ग NH-2 पर पहले बहुत ही कटीली और घनी झाड़ियाँ थी और यहाँ इस मार्ग पर न तो कोई आता था और न ही निकल सकता था। पास ही इससे लगा हुआ एक नाला है जिसकी साफ सफाई न कारण यहाँ बहुत बदबू आती थी जिससे कि बीमारियाँ फैलने का खतरा था। तभी मार्ग पर यमुना मिशन की नजर पड़ी तो यमुना मिशन ने इस मार्ग को सभी के लिए सुंदर और एक अच्छा हरियाली युक्त वातावरण देने के लिए सार्थक कदम उठाए। यह क्षेत्र सरस्वती कुण्ड की पुलिया से लेकर सीधा राष्ट्रीय मार्ग तक निकलता है और वार्ड नं. 40 के अन्तर्गत आता है। जिसमें माली कॉलोनी, गोविन्दपुरा और आजमपुर कॉलोनी आती है। 29 अगस्त 2019 से इस मार्ग पर यमुना मिशन द्वारा कार्य आरम्भ किया गया और आज यह मार्ग सुंदर हरियाली और हरे भरे वृक्षों से सुसज्जित हो गया है और इस कार्य में नगर आयुक्त श्री रविन्द्र कुमार मांदड़ तथा मथुरा वृन्दावन के मेयर डा. मुकेश आर्यबन्धु एवं लगभग 50 पार्षदों द्वारा दिनांक 2 अक्टूबर 2019 को महावृक्षारोपण किया गया और साथ ही स्थानीय निवासियों एवं स्कूल के विद्यार्थियों ने भी अपनी सहभागिता की। आज इस मार्ग में बच्चों के लिए कई झूले भी लगवाए गए हैं और सभी स्थानीय निवासी यहाँ आकर इस हरियाली युक्त वातावरण में अपना समय व्यतित करते हैं।



# ASTHSAKHI UPVAN

## अष्टसखी उपवन



## 2020

Yamuna Mission developed Ashtasakhi. Ashtasakhi of Kishori Shri Radha Rani Ji is known for its selfless service, complete dedication, eternal love and friendship. The entire Bal Leela of Shri Radha and Krishna Ji has been narrated in the middle of the dense forest at the banks of Yamuna. Yamuna Mission is endeavouring to refurbish the banks of Yamuna to return its past glory and grandeur.



## 2022

सेवा, समर्पण, वात्सल्य और मैत्री का अद्भुत रूप किशोरी श्री राधारानी जी की अष्ट सखियों के नाम से यह अष्टसखी उपवन बनाया गया है। श्री राधाकृष्ण की सम्पूर्ण बाल लीला इसी यमुना किनारे पर सघनतम लताकुंजों के मध्य ही वर्णित है। यमुना मिशन द्वारा यमुना किनारे को पुनः उसी रूप में निखारा जा रहा है।





# VAIKUNTANATHA TO SWAMI GHAT

## बैकुण्ठनाथ से स्वामी घाट



This place starts from Yamuna Ji, following behind the Kansa Fort and goes up to Swami Ghat. During 5-6 years, Yamuna Mission has undertaken to clean and plant thousands of trees to decorate and enhance the natural beauty of this place.

Along with this place, there is another place called Daula Maula, which has also been cleaned and decorated with plants. Its greenery attracts the devotees visiting Yamuna Ji and other ghats and kunds built on its banks every day. From this place, the world-famous 'Dwarikadhish' temple is easily accessible.



यह स्थल कंस किले के ठीक पीछे से जहाँ यमुना जी का दर्शन होता है, वहाँ से आरम्भ होते हुये स्वामी घाट तक है। विगत वर्षों में यमुना मिशन द्वारा यहाँ भी सफाई करा इस स्थल को वृक्षों से सुसज्जित कर दिया गया। साथ ही दौला मौला क्षेत्र की भी साफ-सफाई कराई गयी। अब मार्ग स्वच्छ एवं हरा-भरा दिखाई देने के कारण यहाँ से प्रतिदिन श्रद्धालु यमुना जी के दर्शनकर घाटों पर बने अन्य मंदिरों के दर्शन करते हुये। द्वारिकाधीश मंदिर सुगमता से पहुँच जाते हैं।



# VISHRAM GHAT TO BANGALI GHAT

विश्राम घाट से बंगाली घाट

**BEFORE**



**AFTER**

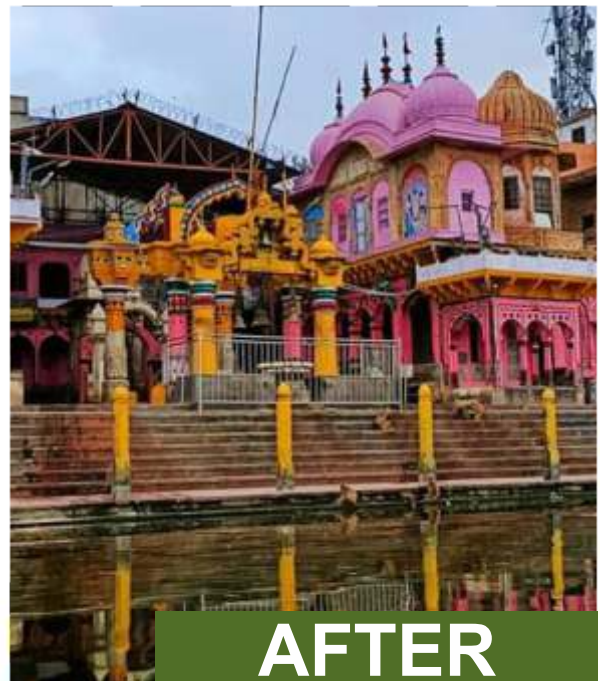




# VISHRAM GHAT TO BANGALI GHAT

## विश्राम घाट से बंगाली घाट

मथुरा में यमुना किनारे स्थित विश्राम घाट का एक नाम पुण्य तीर्थ भी है। यमुना भक्तों की आस्था का मुख्य केन्द्र और मथुरापुरी की शान है। इसी के पास बंगाली घाट भी मुख्य स्थान है। यहीं यमुना मिशन ने घाटों के नीचे वर्षों से जमा कीचड़ को निकाला जिससे घाटों के नीचे प्राकृतिक श्रोत खुल गए। जुलाई 2020 में कार्य पूर्ण होने के बाद यहाँ का जल स्वच्छ हो गया था।



**AFTER**



**BEFORE**

The Yamuna is an essential river in India. On the banks of the Yamuna in Mathura lies Vishram Ghat, a revered and holy ghat. Unmissable on a pilgrimage to Mathura is Vishram Ghat and its temples. It is the primary ghat of Mathura and connects several other sacred ghats. One of the important ghats nearby is the Bengali Ghat. Yamuna Mission cleaned up these ghats by eliminating accumulated muck and silt. The accumulated mud was removed, allowing access to the river's natural aquifers. More people are doing 'aachman' of holy waters thanks to increased water quality.

# DHRUV GHAT

ध्रुव घाट



2017



2022





# DHRUV GHAT

## ध्रुव घाट

On his mother's orders, Suniti, Dhruv, a fiveyear- old kid, met Devarshi Narada on the banks of the Yamuna. On Devarshi Narad's order, Dhruv took a hath here and got the Dvadshakshar mantra. Dhruva after wards prayed here and received Bhagvat Darsha on Madhuvan's lonely and thorny land.

Humans are worshipped in Dhruva Loka after washing here. The ancestors are always delighted with their Shradh here, and humans enjoy the same benefits. Many Nimbadiya saints resided here following the guru-tradition. In Brajmandal, this is the last remnant of the old Nimbadiya sect.

Yatra Dhruvensantaprmichhaya snanmatrain Dhruvaloke. Dhruvatirtha! Shirdi Kurutenar Pitrunasantrayet Pitropakshevisheshah.' But owing to neglect and lack of upkeep, this hallowed spot became strewn with trash and waste.

Yamuna Mission planted thousands of plants to clean up the region to restore its holiness and righteousness. Flowers and fruits on trees now contribute to the spiritual splendour. Beautiful swings and seats for youngsters and seniors have been put here.

अपनी सौतेली माँ के वाक्यबाण से बिद्ध होने पर अपनी माता सुनीति के निर्देशानुसार पंचवर्षीय बालक ध्रुव देवर्षि नारद से यहीं यमुना तट पर मिला था। देवर्षि नारद के आदेशानुसार ध्रुव ने इसी घाट पर स्नान किया तथा देवर्षि नारद से द्वादशाक्षर मन्त्र प्राप्त किया। पुनः यहीं से मधुवन के गंभीर निर्जन एवं उच्च भूमि पर कठोर रूप से भगवदाराधना कर भगवदर्शन प्राप्त किया था। यहाँ स्नान करने पर मनुष्य ध्रुवलोक में पूजित होते हैं। यहाँ श्राद्ध से पितृगण प्रसन्न होते हैं। गया में पिण्डदान करने का फल भी उसे यहाँ प्राप्त हो जाता है। यहाँ प्राचीन निम्बादित्य सम्प्रदाय के बहुत से महात्मा गुरु परम्परा की धारा में रहते आये हैं। प्राचीन निम्बादित्य सम्प्रदाय का ब्रजमण्डल में यही एक स्थान बचा हुआ है। यत्र ध्रुवेनस्तपूमिच्छया परमंतयः। तत्रैत्र स्नानमात्रेण ध्रुवलोक महीयते। ध्रुवतीर्थं च वसुधे! यः श्राद्धं कुरुतेनर। पितृनसन्तारयेत् सर्वान् पितृपक्षेविशेषतः।। किन्तु इस पवित्र स्थल की देखरेख न होने से यह स्थल भी गंदगी के ढेरों में तब्दील हो रहा था। इस पवित्र स्थल की शुचिता बनी रहे इसके लिए यमुना मिशन द्वारा यहाँ भी साफ-सफाई कराकर वृक्षारोपण कराया गया और फिर इस स्थल को भी सुंदर वृक्षों से सजा दिया गया। आज यहाँ लगाये गये वृक्षों में फूल खिल रहे हैं, फल आ रहा है। वहीं बच्चों के लिये झूले भी लगवाये गये हैं, जिससे बच्चे बड़े सभी बहुत खुश हैं।



# MAHADEV GHAT

महादेव घाट



2019



2022





# MAHADEV GHAT

## महादेव घाट



Jamuna Bagh is an essential site on Mahadev Ghat in Mathura. According to mythological beliefs, it has its existence even before the birth of Lord Krishna. This is also known as the main playground of Shri Radha Ji and Shri Krishna. Since there has been a temple of Lord Shiva since the time immemorial, it is called Mahadev Ghat on the banks of Yamuna. By cleansing the filth and sludge spread here, Yamuna Mission has restored its ancient beauty by planting beautiful trees all around.

महादेव घाट पर जमुना बाग महत्वपूर्ण स्थल है। लोक मान्यताओं के अनुसार यह 'भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से पहले का है। श्रीराधा जी और श्रीकृष्ण भगवान का यह मुख्य क्रीड़ा स्थल भी है। आदिकाल से यहाँ भगवान शिव का मंदिर होने से इसको महादेव घाट कहते हैं। यमुना मिशन ने यहाँ फैली गन्दगी को हटाया और सुन्दर वृक्षावली लगाकर इस पवित्र स्थान को इसके पुरातन स्वरूप में लौटाया है।

# CHANDRA SAROVAR

चंद्र सरोवर

2019



2022





# CHANDRA SAROVAR

## चंद्र सरोवर

Chandra Sarovar is 2 kilometres from Govardhan on Bharatpur Road. Chandra Sarovar Parasauli Krishna allegedly performed Maharas with the Gopis here.

This village's attractions include Maharas Sthal, Chandra Sarovar, Chandra Bihari Temple, Sur Kutti, Ram Chabutra, and Surdas Samadhi Sthal. Shri Surdas Ji, one of Ashtachap's great poets, spent 85 years here, and it is an essential spot for meditation. Surdas Ji stayed absorbed in Lord Krishna's devotion and diffused the shades of faith through his timeless bhakti poetry. Yamuna Mission cleared the Sarovar of sludge and mud before planting a large forest around it. First, trees were planted on the northern side of the Sarovar, near the Mokshadham (funeral area).

Yamuna Mission cleared this area of trash and prickly shrubs and built a fence. Yamuna Mission improved the environment by planting lovely flowers and fruit-bearing trees at Moksha Dham. A Sur Shyam Upvan was inaugurated in October 2017 at the Sur Shyam Gaushala complex on the Chandra Sarovar. Yamuna Mission continues to care for the Chandra Sarovar water reservoir and its plants. Yamuna Mission has made it an excellent destination for pilgrims and visitors.

चन्द्रसरोवर गोवर्धन से 2 कि.मी. दूर भरतपुर मार्ग स्थित सूर साधना स्थल को चन्द्रसरोवर परासौली के नाम से जाना जाता है। कहा जाता है कि भगवान श्री कृष्ण ने यहाँ गोपियों के संग महारास किया था। इसी गाँव में महारास स्थल, चन्द्रसरोवर, चन्द्रबिहारी मन्दिर, सूरकुटी, राम चबूतरा, सूरदास की समाधि स्थल इत्यादि दर्शनीय हैं। सूर श्याम, चन्द्रसरोवर अष्टछाप के महान कवि सूरदास जी की साधना स्थली रही। जहाँ उन्होंने कृष्ण भक्ति में लीन न होकर का काव्य की किरणों से धरा पर भक्ति की छटा बिखेरी। यमुना मिशन द्वारा चन्द्रसरोवर का पंकोद्धार किया गया तथा चंद्र सरोवर के पंकोद्धार के पश्चात महावृक्षारोपण कार्य प्रारम्भ किया गया। प्रथम चरण के सरोवर के चारों ओर वृक्ष लगाये गये, सरोवर के किनारे उत्तर दिशा में मोक्षधाम था, जो अत्यंत दयनीय स्थिति में था जिसमें अत्येष्टि भी बहुत मुश्किल से की जाती थी। क्योंकि वहाँ बहुत बड़ी-बड़ी बबूल की झाड़ियाँ थी। यमुना मिशन द्वारा उन्हें साफ करवाया गया, फिर चार दीवारी बनवाई गई और एक और मोक्ष धाम बनवाया गया। मोक्षधाम में सुन्दर-सुन्दर फलदार, फूलदार व सघन छाया वाले वृक्षों को रोपण यमुना मिशन द्वारा किया गया। अक्टूबर 2017 को चंद्रसरोवर के तट पर स्थित सूरश्याम गौशाला परिसर में सूरश्याम उपवन की स्थापना की गई। आज भी यमुना मिशन द्वारा चंद्र सरोवर का रख रखा व एवं वृक्षों का पोषण निरंतर किया जा रहा है।



# HARJI KUND

हरजी कुंड



2017



2022



# HARJI KUND

## हरजी कुंड

Harji Kund is a gorgeous tourist destination that creates mystical sentiments among worshippers. It was in bad shape owing to neglect and lack of care. However, Yamuna Mission took on this mission to clean it, remodel it and make it appealing to everybody. Today, pilgrims and visitors from all over come to view this magnificent Govardhan site. It used to be a pond of unclean water from nearby regions. This pond's water was tainted and toxic, and its awful odour could be sensed a kilometre away. But Yamuna Mission was determined to renovate. The pond was initially excavated up to 72 feet deep to securely drain the dangerous water and massive mud. Surprisingly, the historic stairway came out at 72 feet.

After digging up to 30 feet, the Kund revealed a rectangular form and steps after digging up to 22 feet. A water well was discovered during this excavation. During recess, natural water springs stream into this Kund. Today Yamuna Mission has done its utmost to restore this kund's beauty. Now there is sweet water that quenches people's thirst and makes them feel blissful when they plunge in it. Yamuna Mission has planted trees around it and erected swings for children to make it appealing and natural.

हरजी कुण्ड का ये जो दृश्य आप देख रहे हैं, ये सच में अलौकिक है जिसको यमुना मिशन के प्रयास से इतना सुंदर और रूप दिया गया कि आज दूर-दूर से लोग यहाँ आकर इस दृश्य का देख आनंदित होते हैं। लेकिन कुछ वर्षों पूर्व यह इस प्रकार का नहीं दिखाई देता था और इसमें स्थानीय स्थलों का गंदा पानी जाता था। अब चूंकि ये लंबे समय तक ढका रहा, तो यह पानी विष के समान बनता गया और इसकी दुर्गन्ध भी लगभग 1 कि.लो. मीटर तक फैलने लगी। इसके बाद यमुना मिशन के द्वारा यहाँ कार्य आरंभ कराया गया। जब इसे 72 फुट तक खोदा गया, तब पहले सीढ़ियाँ निकली, उसके बाद फिर इसको 30 फुट के करीब और खोदा गया, तब यह आयताकार निकला और फिर 22 फुट खुदाई के बाद इसमें सीढ़ियाँ दिखाई दी। इस खुदाई के बाद अन्दर एक कुँआ भी निकला। इस खुदाई के दौरान एक और चीज महत्वपूर्ण दिखाई दी, वो थी इसके चारो ओर से बहते हुए झरने, जिनका जल इस कुंड में आ रहा था। आज यमुना मिशन ने अपने प्रयास से इसको एक सुंदर रूप दे दिया है। अब यहाँ का मीठा जल जहाँ लोगों की प्यास बुझाता है, वहीं इसके जल से भी स्नान कर लोगे आनंदित होते हैं। इसके चारों ओर वृक्षारोपण कर बच्चों के लिये झूले भी लगवाए गए हैं, जहाँ आकर बच्चे आनंदित होते हैं।





# KAMAL KUND

## कमल कुंड



2017



2022





# KAMAL KUND

## कमल कुंड



The famous Kamal Kund (Lotus Kund) was built by Baba Kamal Das in the north direction in village Kaurer in the outskirts of Govardhan in Rajasthan more than 800 years ago. Once upon a time, it was a wonderful place to see with more and more lotuses blooming in its water. There was a considerable plantation along with a beautiful temple of Bihari Ji. Slowly over time, its beauty faded away. Its conditions became worse due to the torrential rains causing a flood-like situation that left only an uneven neglected place, and Kamal Kund and Bihari ji's temple lost their existence. Since long due to the excessive quantity of filth and sludge deposited on this place, this place also got off the natives' memories. But in the year 2017, Yamuna Mission decided and undertook to re-establish this place to regain its old beauty. Yamuna Mission, since then, has been assisting with the beautification and cleanliness of Kamal Kund. Thousands of trees and plants have been planted here by the Yamuna Mission around Kamal Kund, which adds to the beauty and serenity and invokes devotion in the hearts of devotees and tourists. To make this place more attractive, Yamuna Mission has installed swings, hammocks etc., for children. The timings of dawn and dusk are especially very beautiful, which the visitors and devotees enjoy here.

प्राचीन काल से स्थित कमल कुण्ड लगभग 800 वर्षों से भी अधिक वर्ष पहले बाबा कमलदास ने ग्राम कौरेर में उत्तर दिशा में बनवाया था। जो कि देखने में अति सुंदर स्थान था, वहाँ कमल कुण्ड में अधिकाधिक कमल खिलते थे। वहाँ विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे देखने को मिलते थे। कमल कुण्ड के समीप में ही बिहारी जी का मंदिर स्थापित था। धीरे-धीरे समय बीतता गया लेकिन मूसला धार वर्षा होने की वजह से यहाँ बाढ़ की स्थिति बन गई, जिससे यहाँ का स्थान उबड़-खाबड़ भूमि की स्थिति में बदल गया। यहाँ से कमल कुंड व बिहारी जी के मंदिर का अस्तित्व भी खो चुका था। उस स्थान पर अधिक गंदगी की वजह से वहाँ के लोग कमल कुंड का नाम लेना ही भूल गए। परन्तु सन् 2017 में यहाँ फिर से यमुना मिशन के द्वारा कमल कुंड नामक स्थान का आधार किया गया। इस स्थान को सुशोभित करने में यमुना मिशन का सहयोग रहा है। अब यह स्थान अत्यधिक स्वच्छ एवं देखने योग्य बन गया है। यहाँ यमुना मिशन के द्वारा हजारों पेड़-पौधे लगाए गए हैं। कमल कुंड के चारों ओर अति सुंदर वृक्ष हैं जिससे यात्रा मार्ग में ठंडी शीतलता छाया बनी रहती है। यहाँ यमुना मिशन के द्वारा बच्चों के लिए झूला आदि चीजों की व्यवस्था भी की है। यहाँ का प्रातः काल एवं संध्या काल का समय अत्यधिक शोभायमान दिखता है और सब कुछ यमुना मिशन के सहयोग के द्वारा ही किया जा सकता है।



# BHAWANI KUND BHAVANPURA

भवानी कुंड, भवनपुरा

2021



2022



# BHAWANI KUND BHAVANPURA

भवानी कुंड, भवनपुरा



In village Bhavanpura which is situated near the foothills of Shri Giriraj Ji (Holi Govardhan Mountain), with the blessing of Maa Bhavani, there is Bhavani Kund in this village, the condition of which was very miserable due to enormous debris, filth and sludge. Yamuna Mission undertook the task to dig out and renovate this ancient kund, and surprisingly the natural source of waters from the bed of earth started flowing in this kund. A considerable plantation drive has been run around this kund by Yamuna mission to make it beautiful. This kund is a very famous sightseeing place for visitors and devotees.

गाँव भवनपुरा श्री गिरिराज की तलहटी के निकट स्थित है। माँ भवानी की कृपा से समृद्ध इस गाँव में भवानी कुण्ड भी है, जिसकी दशा अत्यन्त दयनीय थी, जो मलवे से पूरी तरह भर चुका था। गाँववासियों और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षणार्थ यमुना मिशन ने इस कुण्ड की गहरी खुदाई की जिसमें यमुना की धारा के समान प्राकृतिक जलश्रोत फुट पड़े। इस कुण्ड के चारों ओर सघन हरियाली भी लगाई गई है। आगन्तुक श्रद्धालुओं और निकट ग्रामवासियों के लिए यह पावन कुण्ड दर्शनीय बन चुका है।



# KUMBHAN KUND JAMUNAVATA GOVERDHAN

कुम्भन कुंड, जमुनावता गोवर्धन



2021



2022



# KUMBHAN KUND JAMUNAVATA GOVERDHAN

## कुम्भन कुंड, जमुनावता गोवर्धन

Kumbhandas (1468-1583), an Ashtachap poet (one of eight friends, devotees and poets of Lord Krishna who incarnated in the form of Shri Nath Ji in the 15th Century at Govardhan). He was Parmanand Das Ji's contemporary. The character of Kumbhandas is generally formed from the talks of 84 Vaishnavas. He resided in Jamuna Votto, a hamlet near the sacred Govardhan Mountain. His family farmed. He used to do kirtan at Shri Nath Temple in Parasauli Chandrasarovar every day. He is a Gaurav Kshatriya. Except for Chaturbhaj Das, Kumbhandas had seven sons who farmed. In 1492, he received Diksha from Mahaprabhu Vallabhacharya. Kumbhan Das used to carry water from a well after bathing in Kumbhan Kund for Thakur Ji's service. This Kumbhan Kund practically vanished due to neglect and time due to excessive filth and debris. After renovating this kund, Yamuna Mission decided to clean up the whole area and plant additional trees for the locals' convenience and mythical significance. In today's world, pilgrims and tourists go to this kund to take a holy bath in its clean water and drink it in Achman (drink holy water with hands).

कुम्भनदास (1468-1583) अष्टछाप के प्रसिद्ध कवि थे। ये परमानंददास जी के समकालीन थे। कुम्भनदास का चरित “चौरासी वैष्णवन की वाता” के अनुसार संकलित किया जाता है। कुम्भनदास ब्रज में गोवर्धन पर्वत से कुछ दूर “जमुनावतौ” नामक गाँव में रहा करते थे। उनके घर में खेती-बाड़ी होती थी। अपने गाँव से वे परासौली चन्द्रसरोवर होकर श्रीनाथ जी के मन्दिर में कीर्तन करने जाते थे। उनका जन्म गौरवाक्षत्रिय कुल में हुआ था। कुम्भनदास के सात पुत्र थे, जिनमें चतुर्भजदास को छोड़कर अन्य सभी कृषि कर्म में लगे रहते थे। उन्होंने ने 1472 ई० में महाप्रभु वल्लभाचार्य से दीक्षा ली थी। कुम्भनदास जी कुम्भन कुण्ड में स्नान कर के कुम्भन कूप से ठाकुर जी की सेवा के लिए जल ले जाया करते थे। यही कुम्भन कुण्ड वर्षों से उपेक्षित घोर गन्दगी से भरकर लगभग अपना अस्तित्व ही खो चुका था, ग्रामवासियों की सुविधा और इसके पौराणिक महत्व को देखते हुए यमुना मिशन ने इसका पंकोद्धार किया। आज यह कुण्ड पुनः स्नान और आचमन के योग्य रमणीक स्थल बन चुका है।



# SURAJ GHAT

## सूरज घाट



2018

According to the Barah Purana, King Bali sought blessings from this Suraj Ghat. Washing at this ghat purifies sins in Hinduism. Lord Surya Dev (the Sun) worships Lord Krishna. It is also sanctified by bathing in its water on Sunday, Sankranti, or during a solar eclipse. Before Yamuna Mission, Tanduk Ghat to Surya Ghat was littered. Sadhana's temple is decaying. Yamuna Mission has cleaned up the rubbish and repaired the temple. His grandson Samb was leprous before this ghat. Yamuna Mission has performed. See how Yamuna Mission cleaned up the ghat to make it more appealing to pilgrims and visitors.



2022

वाराहा पुराण के अनुसार विरोचन के पुत्र राजा बलि ने इस सूरज घाट पर भगवान आदित्य की आराधना करके मनोवांछित फल प्राप्त किया था। ऐसी मान्यता है कि इस घाट पर स्नान करने से मनुष्य के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। यही पर भगवान सूर्यदेव अपनी द्वादश कलाओं से श्री कृष्ण की आराधना करते हैं। रविवार, संक्रांति, सूर्यग्रहण, चंद्रग्रहण आदि के समय यहाँ स्नान मात्र से राजसूययज्ञ का फल प्राप्त होता है। तंदुक घाट से लेकर सूर्य घाट तक सारा स्थान कूड़े के ढेर से अटा पड़ा था। कोने में एक ओर सूर्यनारायण का जीर्ण-शीर्ण मंदिर था। यमुना मिशन द्वारा इस घाट से कूड़ा करकट हटवा कर नवीनता एवं भव्यता प्रदान कर ली, श्रीकृष्ण के नाती सांब के कष्ट करने एवं शरीर के कुष्ठ रोग को दूर करने वाले इस घाट को कष्टमुक्त कराने में अपना दायित्व निर्वाहन किया है। इस घाट के भी स्थिति आप चित्र के माध्यम से देख सकते हो जहाँ यमुना मिशन ने गंदगी को दूर कर सुन्दर स्थान के रूप में इसको परिवर्तित किया।





# LATOOR, MAHARASTRA

## लातूर, महाराष्ट्र



**2016**

Latur is a historical place situated on the banks of the Manjra river in the southern tip of Maharashtra, which Rashtra Koota King Amoghavarsha initially developed. This district was formerly under the reign of Hyderabad State, but after partition, it became part of Maharashtra. This city had been suffering from drought and famine for many years the past. To overcome this draught problem, Yamuna Mission dug many canals in this region to store the rainwater in huge quantities. The rainwater started collecting in these canals, and a sufficient amount of water became available for use by farmers in irrigation.



**2022**

महाराष्ट्र के दक्षिणी सिरे में मां जरा नदी के तट पर स्थित लातूर एक ऐतिहासिक स्थल है। मूल नगर को राष्ट्रकूट राजा अमोघ वर्ष ने विकसित किया था। यह जिला पूर्व में हैदराबाद राज्य के अंतर्गत था, जो विभाजन के पश्चात महाराष्ट्र में आकर मिल गया। कई वर्षों से सूखे की मार झेल रहे इस जिले में अकाल जैसी स्थिति बन गयी थी, यमुना मिशन ने इस समस्या से निपटने के लिए यहाँ कई नहरों की खुदाई की, जिससे इसमें वर्षा जल एकत्रित होने लगा और किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होने लगा।



# Olympic Garden

## ओलंपिक गार्डन



टोक्यों ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 7 मेडल अपने नाम किए। भारत ने 1 स्वर्ण 2 रजत और 4 कांस्य पदकों के साथ ओलंपिक का समापन किया था। हम भारतवासियों के लिये यह गर्व की बात है।

इन्ही खिलाड़ियों के सम्मान में यमुना मिशन द्वारा ओलंपिक गार्डन बना ने की शुरुआत भी हो चुकी है। जिसमें विविध प्रकार के वृक्षों से इस गार्डन को सुसज्जित किया जा रहा है।

Indian players performed well in Tokyo Olympics and won 7 medals. India finished the Olympics with 1 Gold, 2 Silver and 4 Bronze medals. It is a matter of pride for us Indians. In honour of these players, Yamuna Mission has started the construction of the Olympic Garden. This garden is being furnished with trees.



# Heritage Garden

## हैरिटेज गार्डन



हमारी सभ्यता, हमारी संस्कृति व हमारी विरासत, आज इन सभी के संवर्धन की आवश्यकता है। जिनसे अपनी आगे आने वाली पीढ़ी को भी अवगत कराना होगा। यमुना मिशन के द्वारा एक एक ऐसा ही गार्डन भी बनाया गया है। जिसमें वह सब चीजें हैं जो कुछ वर्षों पहले प्रायः हर घर में पाई जाती थीं या ग्रामीण अंचल में देखने को मिलती थी। ऐसा ही संग्रह इस गार्डन में सजाया जा रहा है, जिससे बालकों का ज्ञानवर्धन हो रहा है। तथा बड़े भी इस संग्रह को देखकर प्राचीन स्मृतियों का स्मरण कर आनंद विभोर हो उठते हैं।

Today, we must promote our civilisation, culture, and legacy to future generations. The Yamuna Mission has a similar garden. Everyone's favourite items from a few years ago were recovered. This garden has a comparable collection, boosting the children's knowledge. Seeing this collection also overwhelms the seniors with old recollections.





# SUDARSHAN GHAT

## सुदर्शन घाट BADHPURA

### बाढ़पुरा

विकास की सही परिभाषा को यदि परिभाषित किया जाये तो निश्चित रूप से बाढ़पुरा का सुंदर स्वरूप इसका सजीव उदाहरण है। जहाँ गंदगी और बीमारी का पतन हुआ और यमुना मिशन द्वारा साफ-सफाई करके लगा ये गये वृक्षों से, अब यहाँ अत्यंत मनोहारी दृश्य बन चुका है। परिवर्तन को समझाने के लिये चित्र को देखकर भी इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है, कि पहले इस क्षेत्र में क्या था? और आज यहाँ की स्थिति किस प्रकार की है। इस क्षेत्र में भी बच्चों के लिये झूले लगवाये गये हैं, जहाँ आकर बच्चे-बड़े सभी आनंदित हो रहे हैं।



2022



2018

Definition of development is complicated, as growth speaks by itself. The magnificent new look of Badhpura is a live illustration of 'progress' in its genuine sense. It was formerly a filthy, garbage-filled swamp, but it has been cleaned up because of Yamuna Mission's efforts. Massive tree plantings have created a stunning scene. Looking at these photos, one can quickly see how this place used to be and how lovely it is now. Seats and swings for children and adults have been added to make this space more appealing to visitors of all ages. This makes residents and tourists happy.

# The Holiness of Dalai Lama

परम पावन दलाई लामा जी







तट पर आकर बहुत प्रसन्नता हुई, खास तौर से ये देखकर कि यमुना की जो दशा थी उसमें जो सुधार में बंसल जी और गोपेश कृष्ण जी लगे हुए हैं। इनकी पूरी टीम जो जगी हुई है। बहुत अच्छा लगा यहाँ आकर, लगातार यमुना को स्वच्छ करने में हम सब अपना सहयोग दें यही मेरी आशा है। यही मेरी प्रार्थना है आप सबसे और हम सब इस काम में जुड़, ताकि पूरे भारत को जो मजबूती गंगा यमुना यह सब नदियां देती आई हैं हमारी संस्कृति से जुड़ी हैं यह मजबूती हमें आगे वर्षों तक सदियों तक देती रहें।

पद्मश्री कर्नल श्री राज्यवर्धन राठौर जी  
(सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री)

It was a great pleasure to come to the shore, especially to see that Bansal Ji and Gopesh Krishna Ji are engaged in improving the condition of Yamuna, and their entire team is involved. It was great to come here, and I hope that we all support cleaning the Yamuna continuously. This is my prayer to all of you and all of us to join this work, so that the strength that Ganga Yamuna has been giving to the whole of India, all these rivers are related to our culture, this strength will continue to provide us with for many years ahead.

Padmashree Col. Shri Rajyavardhan Rathore  
(MP and former Union Minister)





श्री रमेश पाण्डेय  
मुख्य वन संरक्षक  
आगरा वृत्त  
आगरा

श्री रमेश पाण्डेय  
मुख्य वन संरक्षक  
आगरा वृत्त  
आगरा

9958705413

[rameshpandeits@gmail.com](mailto:rameshpandeits@gmail.com)

मैं आज दिनांक 15.5.18 को यमुना मिशन के साथ वन विभाग के संयुक्त कार्यक्रम में प्रतिभाग करने आया।

मुझे यमुना मिशन के द्वारा यमुना के किनारे गंदे नालों तथा मिडलैण्ड के बीच किए गए वृक्षारोपण को देखने का मौका मिला। यमुना मिशन व श्री बंसल जी के द्वारा किया गया कार्य अविशसनीय रूप से उत्कृष्ट कोटि का है। मुझे यमुना मिशन के साथ जुड़कर खुशी हुई मैं यमुना मिशन व श्री बंसल जी को उनके द्वारा किये गए कार्य के लिए बधाई देता हूँ और आश्चस्त करता हूँ कि मुझे जो भी बन पड़ेगा मैं सदैव उनके प्रयासों को सहयोग प्रदान करता रहूँगा।



श्री रविन्द्र कुमार मांदड़

नगर आयुक्त मथुरा

(दिनांक 15.6.2020 के उद्घोषण से)

Mr Ravindra Kumar Mandar  
City Commissioner Mathura

From the Address dated 15/6/2020



देखिए हम यहाँ पर माननीय मंत्री जी के साथ लगभग 4 माह पूर्व आए थे। और जब हमने इंस्पेक्शन कि या तो यहाँ पर एक प्रमुख समस्या जो देखी थी और लोगों ने भी एक इशू उठा था, कि जितने हमारे घाट हैं उन सभी घाटों के किनारे पर सिल्ट बहुत ज्यादा जमा है जैसा कि आप देख भी सकते हैं। तो उसको हमें साफ कराना था। इस बीच हमने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से भी बात की थी क्योंकि यह उनके अधिकार क्षेत्र में था। उन्होंने आधी यमुना नदी को साफ करने के लिये अपना इस्टीमेट बताया। लेकिन वह काफी ज्यादा था। लगभग दो- ढाई करोड़ रुपये का इस्टीमेट बना है जो बहुत ज्यादा है। फिर हमने माननीय मंत्री जी से इसकी मंत्रणा भी की थी। और फिर मेयर साहब और हमने ये डिसाइड किया “यमुना मिशन” जो हमारा एन. जी.ओ. प्लान्टेशन में अच्छा काम कर रहा है प्रकृति के संरक्षण के लिए काम कर रहा है। तो उन्होंने अपनी सहमति दी कि वो इसमें काम करना चाहते हैं। तो हम नगर निगम और यमुना मिशन दोनों के संयुक्त तत्वाधान में ये प्रोग्राम चला रहे हैं सिल्ट सफाई का। और पिछले पाँच दिन से हमारा ये सिल्ट सफाई का काम बहुत व्यापक स्तर पर चल रहा है। टारगेट ये है कि बारिश से पहले अगले दस दिनों में सिल्ट का पूरा खुदाई हम करा दें। उसके साथ साथ सिल्ट भी हम यहाँ से उठवा दें तो उसकी प्लानिंग हमने की है और एग्जीक्यूशन करायेंगे।

Look, we came here with the honourable minister about four months ago. And when we did the inspection, one of the significant problems that we saw here and people also raised an issue is that there is a lot of silt deposited on the banks of all those ghats, as you can see. So that should be given to us. I had to clean it. Meanwhile, we also spoke to the officials of the Irrigation Department as it was under their jurisdiction. He told his estimate to clean half the Yamuna river.

But that was too much. An estimate of about two-and-a-half crores has been made, which is too much. Then we had also consulted the Honorable Minister for it. O doing good work in the plantation is working to conserve nature. So he gave his consent that he wanted to work in it.

So we are running this program of silt cleaning under the joint aegis of both the Municipal Corporation and Yamuna Mission.

And since the last five days, our silt cleaning work has been going on an extensive scale. The target is to get the silt done entirely in the next ten days before the rains. If we get the mud removed from here, we have done the planning and will get the execution done.





**डा. मुकेश आर्यबंधु जी,  
माननीय मेयर महोदय (नगर निगम मथुरा-वृन्दावन)  
(दिनांक:- 15.08.2021 के उद्घोषण से)**

**Dr. Mukesh Arya Brothers  
Honourable Mayor Municipal Corporation Mathura-Vrindavan  
(Dated: 15/08/2021 from the address)**

परम सम्मानित यहां पर विराजमान हमारे पार्षदगण। भाई राजेश पिटू जी हमारे पार्षद भाई श्याम जनरेटर वाले, भाई राजवीर चौधरी जी, मूलचंद जी, बहन मीरा मित्तल जी और राजीव सिंह जी, राजीव पाठक जी और हेमंत अग्रवाल जी और तो जितने भी पार्षद हैं सभी लोग। और हमारे प्रदीप बंसल जी और संस्था में कार्य कर रहे हैं। वह सभी लोग। दोस्तो जो मथुरा में यमुना मिशन काम कर रहा है वह बड़ा ही सराहनीय काम कर रहा है। अभी हम दो तीन बार यहां पर आए और हमने यहां पर नगर निगम की तरफ से वृक्षारोपण भी कराया। और उसकी देखरेख यमुना मिशन बहुत ही अच्छी तरीके से कर रहा है।

Most respected our councillors sitting here. Brother Rajesh Pintu Ji our councillor brother Shyam generator Wale, brother Rajveer Chaudhary Ji, Moolchand Ji, sister Meera Mittal Ji and Rajiv Singh Rajiv Pathak Ji and Hemant Agarwal Ji. And so are all our councillors. And our Pradeep Bansal Ji and all those people are working in the organization. Friends, who are working at Yamuna Mission in Mathura, are doing very commendable work. We have come here two or three times, and we have also done tree plantation here on behalf of the Municipal Corporation. And Yamuna Mission is taking care of it very well.





मथुरा सांसद

(03.07.2021)

Mrs. Hema Malini

Mathura MP

(03/07/2021)

बहुत अच्छा लगा मुझे, बहुत बहुत बधाई देती हूँ कि बहुत अच्छा काम कर रहे हैं आप वेरी ब्यूटी फुल वर्क। बी. कॉज नहीं तो यह ऐसे ही पड़ रहता था जिस जगह को आप ब्यूटी कि केशन किया है। बड़े-बड़े पेड़ लगा रहे वृक्षारोपण आज मैंने भी वहाँ पे भी फॉरेस्ट डिपार्टमेंट मयूर वन में उधर भी किया। आज यहाँ भी कर रहे हैं। बड़ा अच्छा लग रहा है मुझे एंड यह जो पेड़ है काफी साल तक रहने वाला है, दैट इज वेरी इंपॉर्टेंट। छोटे-छोटे पेड़ पौधे लगाने से तो अच्छा है बिग बिग वनस। एंड एरिया को सेफगार्ड भी करता है पेड़ सब लगाने से ज्यादा एंक्रोचमेंट ना हो बहुत मकान हो गया। मकान के लिए अलग जगह है, यमुना किनारे हम चाहते हैं वैरी सिंपल। पल्ली, पेड़ पौधा जैसा पहले जमा ने में था वैसा हो माहौल बनाने चाहिए। जिसके लिए पूरी तरह से कोशिश कर रहे हैं। मैं आपके साथ हूँ, बहुत-बहुत धन्यवाद आप ऐसा अच्छा कार्य कर रहे हैं।

I liked it very much, and I congratulate you very much that you are doing an outstanding job. Because otherwise, it used to be lying like the place where you have beautified. Even the forest department did it there in Peacock Forest. Today I was also doing it here. I feel excellent, and this tree will live for many years, which is very important. It is better than planting small trees.

It's Big Big Ones. It also protects the end area, and there should not be much encroachment by planting trees. There is a separate place for the house, and we want very simple on the banks of Yamuna. Parish, trees, plants should be created in the same way as earlier times. For which we are trying our best. I am with you. Thank you very much! You are doing such a good job.



**ठाकुर रघुराज सिंह (श्रम एवं सेवा योजना) राज्य मंत्री उ० प्र० सरकार**

**(दिनांक : 03/09/2021 के उद्घोषण से)**

**Thakur Raghuraj Singh (Labour & Service Planning) State Minister UP Govt.**

**(From the address Dated : 03/09/2021)**

मैंने अपने जीवन में पहली बार यह दृश्य यहाँ का देखा है। क्योंकि मैं यहाँ का प्रभारी 10 वर्ष रहा हूँ 5 वर्ष 2012 से 2018 तक रहा हूँ, 1991 से 1995 तक रहा हूँ।

परन्तु पहली बार तट के साइड में जो वृक्ष लगे हैं, ये पहली बार यमुना मिशन के माध्यम से जो लगा रहे हैं, यह साधुवाद के पात्र हैं। अच्छा काम कर रहे हैं। पर्यावरणविद हैं क्योंकि पर्यावरण अच्छा साफ सुथरा होगा। हमारे जितने भी वृक्ष लगेंगे, पशु पक्षियों को फल मिलेगा। उनका भी लाभ होगा। इसलिए यह समाज के हित में, देश हित में, राष्ट्र के हित में, यमुना के हित में, और हम लोगों के हित में है। बेसिकली क्योंकि पशु पक्षी तो कुछ भी कर लेते हैं, लेकिन इंसान के हित में पर्यावरण का जो कार्य हो रहा है। बहुत अच्छा कार्य हो रहा है ये साधुवाद के पात्र हैं। मैं इनको बधाई देता हूँ। सरकार की ओर से, अपनी ओर से। प्रभु बिहारी जी की ओर से, उनके दर्शन करके आया हूँ तो इसलिए बहुत अच्छा कार्य है हम सब को इसमें सहयोग करना चाहिये। जय हिंद जय भारत।

I have seen this scene for the first time in my life because I have been in charge of here for ten years, five years from 2012 to 2018, from 1991 to 1995.

But for the first time, the trees planted on the coast are being produced through Yamuna Mission. It deserves thanks. They are doing good work. We are environmentalists because the environment will be clean and clean. All the trees we plant, animals and birds will get fruits, and they will also benefit.

Therefore, it is in the interest of the society, the interest of the country, the interest of the nation, the interest of the Yamuna, and the interest of us people. Happening. Outstanding work is being done, and it deserves thanks. I congratulate them.

On behalf of the government, on my behalf. On behalf of Lord Bihari Ji, I have come after seeing him, so this is an outstanding work, we all should cooperate in this. Jai Hind Jai Bharat.





उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण  
चौधरी जी

ने यमुना मिशन के कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की  
(दिनांक 2/10/2021 के उद्घोषण से)

Shri Laxmi Narayan Chaudhary  
Cabinet Minister in the Government of  
Uttar Pradesh

lauded the works of Yamuna Mission  
(Dated: From the Address of 2/10/2021)

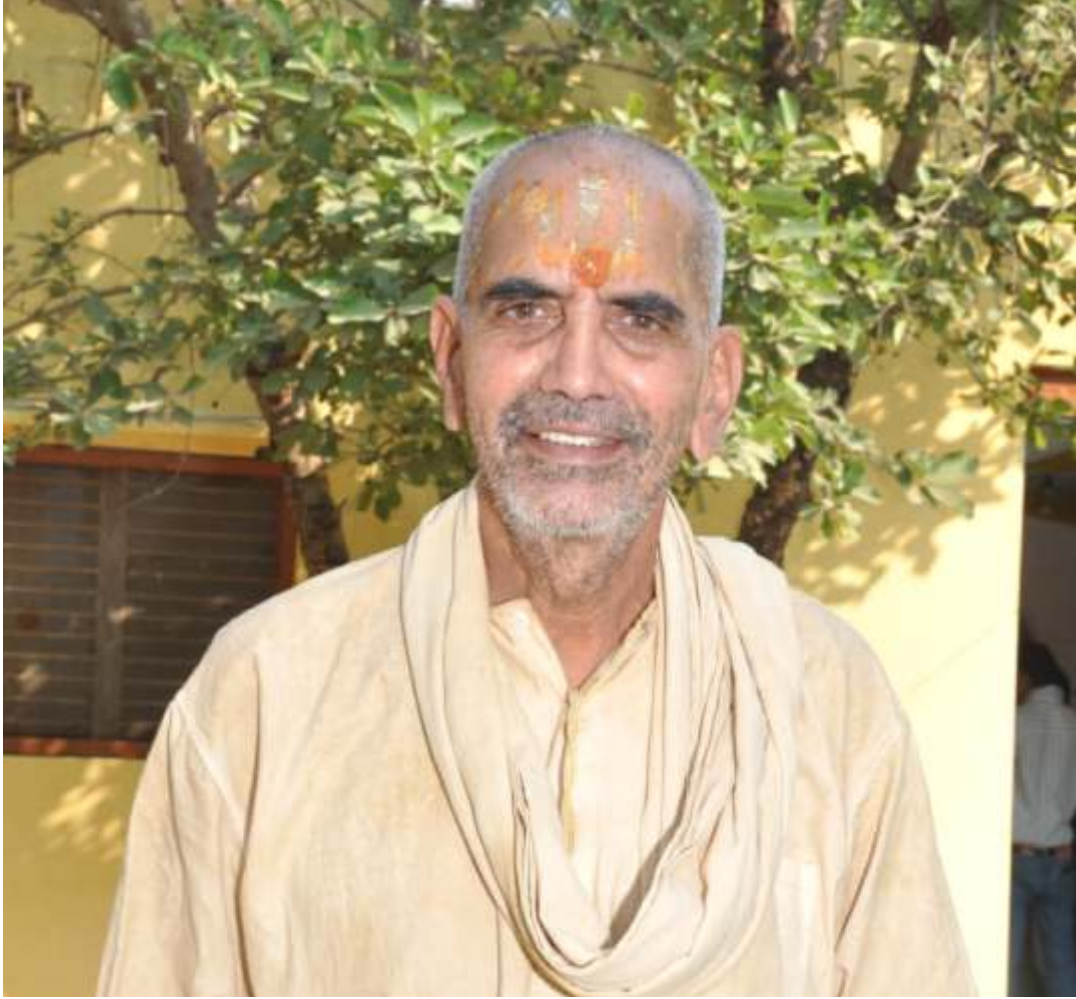
यमुना मिशन का जो कार्य यमुना जी का शुद्धीकरण और सुशोभित करने का चल रहा है। यह इस युग में अद्वितीय कार्य है। यमुना जी के बारे में जब किसी ग्रंथ में श्री मद्भागवत में सुनते हैं और पढ़ते हैं तो उससे पता चलता है। कि यमुना जी का सौंदर्य कैसा था। यमुना जी के सौंदर्य को वापस लाने के लिए हमारे बंसल परिवार ने जिन संतों की असीम कृपा है। उन्होंने और जो यमुना भक्त हैं उनके द्वारा जो यह सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। यह कल्पना से परे लगता है। इतने अल्प समय में केवल 6 साल में उन्होंने कम से कम लगभग 15 किलोमीटर के बीच में इतना सुंदर और भव्य वृक्षारोपण और घाटों पर भव्य आरती, ऐसा लगता है यमुना जी के पुनरुद्धार के लिए यमुना जी के सौंदर्यीकरण के लिए शायद बंसल परिवार ने इसीलिए जन्म लिया है। हमारे और जो अन्य यमुना भक्त हैं। जो संतों की कृपा से लग रहे हैं। मैं ऐसे सभी यमुना भक्तों का धन्यवाद करता हूँ। यमुना महारानी से यह प्रार्थना करता हूँ कि संतों की इतनी कृपा बंसल परिवार पर बनी रहे कि वह दीर्घायु रहें स्वस्थ और संपन्न रहे जिससे वो यमुना जी का सुंदरीकरण का कार्य अनवरत करते रहें।

The work of Yamuna Mission is to purify and beautify Yamuna Ji. This is a unique work in this era. When one hears and reads about Yamuna Ji in Shrimad Bhagwat in any book, one knows from it. How was the beauty of Yamuna Ji? To bring back the beauty of Yamuna Ji, our Bansal family on whom saints have immense grace. The beautification work being done by him and those who are Yamuna devotees seems beyond imagination.

In such a short period, in only six years, he did so much beautiful and grand plantation in the middle of at least about 15 km and grand aarti on the ghats, it seems to beautify Yamuna Ji for the revival of Yamuna Ji, perhaps that is why the Bansal family took birth. Have taken. Us and others who are Yamuna devotees. Those who seem to be by the grace of the saints. I thank all such Yamuna devotees.

I pray to the Yamuna Maharani that so much grace of saints should remain on the Bansal family that they live long, healthy, and prosperous to continue to do the beautification of Yamuna Ji.)





ब्रजनिष्ठ परम विरक्त संत श्री राम दास बाबा महाराज (मास्टर बाबा सरकार) जी

ब्रज जन-जन, ब्रज के वृक्ष लता कुण्ड से श्री कृष्ण स्वरूप ही हैं। इनकी सेवा साक्षात् श्री कृष्ण की सेवा है।  
जो जो सेवा में संलग्न है वे सब ही श्री कृष्ण प्रियजन बनेंगे।

पूज्य बाबा श्री रामदास जी  
(मास्टर बाबा)

25/07/15



श्रद्धेय भजन सम्राट चित्र विचित्र जी महाराज Revered Bhajan Samrat Chitra Vichitra Ji Maharaj

आज मन को बड़ी प्रसन्नता हुई यमुना मिशन के इस पुनीत कार्य को देखकर जो कि नालों को यमुना जी मे डल रहे थे उन्हें श्री यमुना जी के जाने से रोककर और जो कुड़े के ढेर लगे हुये थे उन को साफ कर वृक्षारोपण का पुनीत कार्य कर रहे हम अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हैं।

दासानूदास  
बाबा चित्र विचित्र  
27/11/18





पार्श्व गायिका श्रीमती अनुराधा पॉडवाल जी

(28/4/2019)

Playback Singer Mrs. Anuradha Podwal

(28/4/2019)

देखिए यमुना मिशन बंसल जी से मैं पिछले 5 साल से जुड़ी हुई हूँ हमने साथ में काम भी किया है और यह जो काम वह कर रहे हैं वा कई में एकदम सराहनीय और मतलब जितनी प्रशंसा उनकी की जाए कम है मां यमुना जो बहुत ही स्वच्छ और सुंदर रूप में जो उनका प्राकट्य है इसके लिए मैं उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ और यही मैं गुजारिश करती हूँ कि जितने लोगों का सहभाग इसमें जितने लोग दे सके उनको देना चाहिए।

See, I am associated with Yamuna Mission Bansal ji for the last 5 years, we have also worked together and the work he is doing is really commendable and means that the praise of him is less, mother Yamuna which is very clean and I thank him very much for his beautiful appearance and this is what I request that as many people as possible should participate in this.



**परम पूज्य दीदी माँ साध्वी ऋतम्भरा जी**  
Param Pujya Didi Maa Sadhvi Ritambhara Ji

मैं यह सोच रही थी कि आपने पूछा कैसा लगा ? अब उसके लिए तो शब्द होने चाहिए होते हैं। कुछ अनुभव ऐसे होते हैं जो शब्दों में बाँधे नहीं जा सकते। श्री यमुना जी को लेकर पीड़ा हिमालय जितनी बड़ी है, लेकिन जब यहां आए ना तो ऐसा लगा कि जैसे उसी पीड़ा के हिमालय से समाधान की गंगा निकल गई हो। एक संत के आशीर्वाद और संत की सन्निधि उनके हृदय की पवित्रता उनका संतत्व इतना बड़ा प्रभाव डालता है कि मान प्रदीप बंसल जी जैसे ऐसे व्यक्ति उनके चित्र में वह बीजारोपण पड़ता है, और वह ऐसा वटवृक्ष बनकर सम्मुख आता है कि प्रसन्नता से भरा आश्चर्य होता है। मैं भी ऐसा ही आज अनुभव कर रही हूँ। समस्याओं को गाते रहना, गाते रहना उससे तो बात बनती नहीं है ना स्वयं समाधान होकर स्वयं हो प्रस्तुत कर देना। फिर उसके पीछे “महाजनात गता सुपंथा” जब महापुरुष संत सज्जन व्यक्ति आगे चलते हैं तो समाज भी पीछे खड़ा हो जाता है। यमुना मैया के कछरों पर ये हरीतिमा की चुनरी उड़ाई गई है। यह सचमुच अनिवर्चनीय सुख दे रही हैं मौ सोच रही हूँ छोटी मोटी जो और बाधाएं हैं जैसे विश्राम घाट पर यमुना मैया का आना, बीच में जो भी अड़चन है बाधा है वह निश्चित रूप से दूर होगी मैंने यह भी देखा है कि जब हम शहीदों की बात करते हैं। अभी अभी नेता जी सुभाष चंद्र बोस की जन्म जयंती गई है। इतने वर्षों के बाद उनके सब संकल्प पूरे होते हैं महापुरुषों के सतसंकल्प पूरे होते हैं। वह हमने देखा लेकिन यमुना मैया के मनोरथ को लेकर, देखिए जब चुनरी मनोरथ होता है तो बहुत बार लोग कहते हैं दीदी माँ चलिए- चलिए चुनरी मनोरथ पर बड़ा उत्सव, बड़ा आनंद, लेकिन वही जब यमुना जी में बहते हुए पशुओं की लाशों पर वहाँ दृष्टि चली जाती तो दो-दो दिन हमारी स्थित तो यह होती लगातार कि अश्रुपात ही होते रहते किसी से ना बात करने का दिल करता। ऐसा उत्सव कैसा जो बहुत दिल को पीड़ा दे दे।



How did you feel asking? It must have a name. Some interactions are puzzling. In fact, it appeared like the Ganges of relief had poured out of the Himalayas for the same anguish. It's a great surprise when someone like Mr. Pradeep Bansal ji appears in front of the camera. Same today. It doesn't help to sing about the issues. Society follows the noble guy, the saintly gentleman. Besides the vegetation on the Yamuna Maiya banks, I suppose there are additional small impediments. Any obstacle, like Yamuna Maiya's arrival at Vishram Ghat, will vanish. My attention was drawn to the recent birth anniversary of Netaji Subhas Chandra BOSE. Years later, great men's Satsankalpas come true. On the other hand, many remarked Didi Maa, let's go on Chunari Manorath, enormous celebration, wonderful delight. If we had lost sight of the dead animals flowing in Yamuna River, we would have had to go two days without speaking. How can one incident harm so many?



**श्री सुरेश भैयाजी जोशी जी**  
**संघ कार्यवाहक**  
**Mr. Suresh Bhaiyyaji Joshi**  
**union caretaker**

एक अद्भुत कार्य यहाँ पर हो रहा है। आज के इस प्रदूषित वातावरण में कोई न कोई ऐसे आदर्श केंद्र सुनिश्चित होनी चाहिए कि, जिससे प्रेरणा लेकर लोग अपने-अपने स्थानों पर काम करें। यहां पर भी संतों की, देवताओं की भूमि है। यमुना की कृपा है। मैं समझता हूँ कि यहाँ पर बहुत बड़ा काम यमुना मिशन के द्वारा चल रहा है। मैं समझता हूँ कि यहाँ मथुरा में आने वाले वृंदावन में आने वाले, इस वर्तमान की तीर्थ स्थली यही मानी जाती है। ऐसे स्थानों पर आएँ और यहां चला हुआ जो कार्य है उसे देखकर अपने अपने क्षेत्रों में भी कार्य करें ऐसी हम समाज से अपेक्षा करते हैं।

A wonderful work is being done here. In today's polluted environment, some ideal center should be ensured that people take inspiration from their places to work. Here too, there is the land of the saints and the gods.

Yamuna is grace. I understand that a lot of work is going on here through Yamuna Mission. I understand that coming here in Mathura, coming to Vrindavan, this is considered to be the pilgrimage site of this present. We expect the society to come to such places and see the work that is going on here and do that work in their respective areas as well.





श्री एम एस बिट्टा जी  
(अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मार्च के अध्यक्ष)  
Mr. M. S. Bitta ji  
(President of the All India Anti-Terrorist Front)



माननीय श्री रमेश तिवारी जी, जिला जज  
Honorable Shri Ramesh Tiwari Ji  
District Judge



मथुरा जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिलीप  
कुमार जी एव डॉ. शेर सिंह जी  
Mathura District Chief Medical Officer  
Dr. Dilip Kumar ji and Dr. Sher Singh Ji





परम पूज्य स्वामी श्री गिरीशानंद जी महाराज, श्री साकेत धाम जबलपुर

एवं स्वामी श्री मुक्तानंद पुरी जी महाराज अलवर ।

Param Pujya Swami Shri Girishanand Ji Maharaj, Shri  
Saket Dham Jabalpur and Swami Shri Muktanand  
Puri Ji Maharaj Alwar.



महामंडलेश्वर 1008 स्वामी विज्ञाननंद सरस्वती जी

महाराज । गीता विज्ञान आश्रम हरिद्वार

Mahamandaleshwar 1008 Swami  
Vigyanand Saraswati Ji Maharaj. Geeta  
Vigyan Ashram Haridwar



परम पूज्य स्वामी राघवाचार्य जी महाराज जी  
Param Pujya Swami Raghavacharya Ji  
Maharaj Ji



परम पूज्य चतु, संप्रदाय श्री महंत फूलडाल बिहारी दास जी  
महाराज, वृन्दावन  
Param Pujya Chatu: Sampradaya Shri  
Mahant Phooldol Bihari Das Ji Maharaj,  
Vrindavan



श्री मदभागवत कथा प्रवक्ता परम् पूज्य रमेश भाई  
ओझा जी  
Shrimad Bhagwat Katha Spokesperson  
Param Pujya Ramesh Bhai Ojha Ji



श्री राम कथा प्रवक्ता परम पूज्य मोरारी बापू जी  
Shri Ram Katha Spokesperson Param  
Pujya Morari Bapu ji.



# स्थानीय प्रशासन Local Administration







श्रद्धेय श्री कृष्ण चन्द्र जी शास्त्री (ठाकुर जी) महाराज जी  
Revered Shri Krishna Chandra Ji  
Shastri (Thakur Ji) Maharaj Ji



बल्लभकुल आचार्य गोस्वामी श्री किशोरी चन्द्र जी महाराज  
श्री ( जूनागढ़, गुजरात)  
Ballabhkul Acharya Goswami Shri Kishore  
Chandra Ji Maharaj Shri (Junagarh,  
Gujarat)



भागवत प्रवक्ता श्री अनुराग कृष्ण जी महाराज और  
श्री संजीव कृष्ण ठाकुर जी महाराज  
Spokesperson Shri Anuragkrishna Ji  
Maharaj and Shri Sanjeev Krishna  
Thakur Ji Maharaj

## यमुना मिशन पर कृपापूर्वक आशीर्वाद प्रदान कर अनुग्रह निग्रह करने वाले परम पूज्य सन्त वृन्द ।



1. परम पूज्य जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री अवधेशानंद गिरी जी महाराज, हरिहर आश्रम कनखल, हरिद्वार ।
2. परम पूज्य योग ऋषि स्वामी श्री रामदेव जी महाराज, पंतजलि योगग्राम, हरिद्वार ।
3. परम पावन दलाई लामा जी महाराज, धर्मशाला तिब्बत ।
4. परम पूज्य संत श्री मोरारी बापूजी महाराज ।
5. परम पूज्य संत श्री रमेश भाई ओझा “भाई श्री” जी महाराज ।
6. परम पूज्य चतु. सम्प्रदाय श्री महंत फूलडोल बिहारी दास जी महाराज, वृन्दावन ।
7. परम पूज्य रसिकाचार्य महंत श्री किशोर देव जू महाराज, गोरी लाल कुंज, वृन्दावन ।
8. परम पूज्य टीलाद्वाराचार्य मंगल पीठाधीश्वर श्री माधवचार्य जी महाराज, डाकोर धाम, मुंबई ।
9. परम पूज्य अग्रपीठाधीश्वर स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज, रैवासा धाम, राजस्थान ।
10. परम पूज्य पीपाद्वाराचार्य श्री बलराम दास जी महाराज, सुखधाम, वृन्दावन ।
11. परम पूज्य नाभाद्वाराचार्य श्री सुतीक्ष्ण दास जी महाराज, सुदामा कुटी, वृन्दावन ।
12. परम पूज्य आधवाराहपाठाधीश्वर महंत श्री रामप्रवेश दास जी महाराज, वाराह घाट, वृन्दावन ।
13. परम पूज्य जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज, अध्यक्ष श्री राम लला सदर, अयोध्या ।
14. परम पूज्य महंत श्री हरि शंकर दास नागाजी महाराज, अध्यक्ष अखाड़ा परिषद, वृन्दावन ।
15. परम पूज्य स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती जी महाराज, गीता आश्रम, वृन्दावन ।
16. परम पूज्य स्वामी रामदेवानंद सरस्वती जी महाराज, उमा शक्ति पीठ, वृन्दावन ।
17. परम पूज्य संत श्री बिहारी दास जी भक्तमाली जी महाराज, शरणागत आश्रम, वृन्दावन ।
18. परम पूज्य स्वामी महेशानंद जी महाराज, अखंडानंद आश्रम, वृन्दावन ।
19. परम पूज्य संत श्री नवल राम जी महाराज, श्री राम सेवा आश्रम, वृन्दावन ।
20. परम पूज्य गोवत्स श्री राधा कृष्ण जी महाराज, जोधपुर ।
21. परम पूज्य राधाबल्लभी संत श्री रसिक माधव दास जी महाराज, प्रेम गली, वृन्दावन ।
22. परम पूज्य भागवताचार्य श्री कृष्ण चंद्र शास्त्री ठाकुर जी महाराज, वृन्दावन ।
23. परम पूज्य कार्ष्णि स्वामी ओंकारानंद जी महाराज, कार्ष्णि उदासीन आश्रम, दिल्ली ।
24. परम पूज्य महंत स्वामी दिनेश गिरी जी महाराज, श्री बुद्धगिरी जी की मढ़ी, फतेहपुर सीकरी, राजस्थान ।
25. परम पूज्य स्वामी भास्करानंद जी महाराज, अखंड दया धाम, वृन्दावन ।
26. परम पूज्य कार्ष्णि स्वामी हरदेवानंद जी महाराज, गोकुल रमणरेती ।
27. पूज्य महंत श्री स्वामी वेणु गोपाल दास जी महाराज, निकुंज वन आश्रम, वृन्दावन ।
28. परम पूज्य रसिक श्री अलबेली शरण जी महाराज, गोरेलाल कुंज, वृन्दावन ।
29. परम पूज्य परमहंस जी महाराज, वृन्दावन ।
30. परम पूज्य महंत स्वामी श्री रघुनाथ भारती जी महाराज, सिणधरी, बाड़मेर, राजस्थान ।
31. परम पूज्य स्वामी अद्वैत मुनि जी महाराज, श्रोत मुनि निवास, श्री वृन्दावन धाम ।
32. उपरम पूज्य स्वामी श्री अनिलानंद जी महाराज, वृन्दावन ।
33. पूज्य श्री राजेश्वरानंद जी महाराज ।
34. पूज्य स्वामी परमानंद जी महाराज ।
35. पूज्य स्वामी ज्योतिर्मयानंद जी महाराज, अमरकंटक, मध्यप्रदेश ।
36. पूज्य स्वामी विवेक मुनि जी महाराज, वृन्दावन ।
37. परम पूज्य श्री बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित श्री धीरेन्द्र कृष्ण महाराज ।
38. परम पूज्य श्रीपति पीठाधीश्वर श्री गोविंद बल्लभ दास जी महाराज, नंदनवन, राजपुरा, सिरौही, राजस्थान ।



39. परम पूज्य महंत श्री राम रतन दास जी महाराज, श्री राजाराम गोशाला, टिटोडा बनासकांठा, गुजरात।
40. परम पूज्य स्वामी श्री रविद्रानंद सरस्वती जी महाराज, थानापति, जूना अखाड़ा, हरिद्वार।
41. वी. पूज्य श्री पुंडरीकाक्ष वेदांती जी, श्री हरदेव मंदिर, वृन्दावन।
42. पूज्य श्री अभिराम आचार्य जी महाराज, प्रयागराज।
43. परम पूज्य संत श्री सोहनी शरण जी महाराज, राधा बांवरी, वृन्दावन।
44. पूज्य श्री बिहारी शरण जी महाराज, टटिया स्थान।
45. पूज्य संत श्री अभिरामदास जी महाराज, चित्रकूट।
46. पुजारी संत श्री अनंतानंद दास जी महाराज, मलूक पीठ।
47. पूज्य महंत श्री मोहन दास जी महाराज, श्री कृष्ण आश्रम, गोवर्धन।
48. पूज्य संत श्री राघव दास जी महाराज, कुसुम सरोवर, गोवर्धन।
49. पूज्य संत श्री बलराम दास जी महाराज, राजस्थान।
50. बुंदेलखंड पीठाधीश्वर महंत श्री सीताराम दास जी, निर्मोही अखाड़ा, गोवती।
51. परम पूज्य हरिराम शास्त्री जी महाराज, रामद्वारा, जोधपुर।
52. पूज्य संत श्री प्रिया दास जी महाराज, वृन्दावन।
53. पूज्य संत श्री चेतनराम जी महाराज।
54. पूज्य संत श्री श्रवण राम जी महाराज।
55. पूज्य संत कीमत राम जी महाराज।
56. पूज्य संत श्री कन्हैया दास जी महाराज, चूरू।
57. पूज्य संत श्री संतराम जी महाराज।
58. बाल संत श्री संयम राम जी महाराज, रामस्नेही, जोधपुर।
59. पूज्य संत श्री राधा चरण दास जी महाराज, पानीघाट, वृन्दावन।
60. पूज्य स्वामी श्री राधेश्याम जी महाराज, शाहबाद, मारकंडा, वृन्दावन।
61. साध्वी प्रीति प्रियंवदा जी, जोधपुर।
62. बजरस रसिक साध्वी पूनम दीदी जी।
63. पूज्य महंत श्री लक्ष्मण दास जी महाराज, त्रिवेणी संगम, प्रयागराज।
64. पूज्य संत श्री चरण दास जी महाराज, धीरसमीर, वृन्दावन।
65. पूज्य संत श्री वासुदेव शरण जी महाराज, श्री कृष्णकृपा धाम, वृन्दावन।
66. पूज्य श्री गंगा बाबा महाराज, केसीघाट, वृन्दावन।
67. पूज्य संत रसरास दास जी महाराज, वृन्दावन।
68. संत श्री धर्मदास जी महाराज, नेपाल।
69. संत श्री मिथिला बिहारी दास जी महाराज, वृन्दावन।
70. संत श्री श्याम शरण दास जी महाराज, चित्रकूट।
71. परम गोसेवी संत श्री तारा बाबा जी महाराज।
72. गो सेवक श्री अखिलेश्वर दास जी, काशी।
73. पूज्य संत श्री अच्चयुतानंद जी महाराज, जगन्नाथपुरी।
74. संत श्री मुनीश्वर दास जी महाराज, सुदामा कुटी, वृन्दावन।
75. संत श्री महा राममंगल दास जी महाराज, वृन्दावन।
76. संत श्री राज किशोर दास जी महाराज, वृन्दावन।
77. संत श्री राम सजीवन दास जी महाराज, वृन्दावन।
78. राजमाता सौभाग्य कंवर राणावत श्री मीराबाई जी की वंशज, चित्तौड़गढ़।
79. डॉक्टर जया देव जी पूर्व अध्यक्षा संस्कृत अकादमी राजस्थान एवं राज्यमंत्री।
80. भागवत आचार्य श्री गुप्तेश्वर पांडे जी पूर्व डीजीपी, बिहारी, पटना।





81. पूज्य पाद गोस्वामी श्री किशोर चंद्र जी महाराज, मोती हवेली, जूनागढ़, गुजरात।
82. पूज्य पाद गोस्वामी श्री पंकज बाबा जी महाराज, गोकुल।
83. पूज्य पाद गोस्वामी श्री भूषण बाबा जी महाराज।
84. पूज्य पर युवराज गोस्वामी श्री मोहित महाराज जी महाराज, श्री राधा बल्लभ मंदिर, वृन्दावन।
85. गोस्वामी श्री शोभित जी महाराज, श्री राधा बल्लभ मंदिर, वृन्दावन।
86. पूज्य पाद श्री रसिया बाबा महाराज, शरनागति आश्रम, वृन्दावन।
87. पूज्य भागवताचार्य श्री आचार्य बद्री जी महाराज।
88. पूज्य संत श्री किशोरी शरण जी महाराज हरिदासी, वृन्दावन।
89. परम पूज्य भागवताचार्य डॉक्टर श्री श्याम सुंदर पाराशर जी महाराज।
90. श्रद्धेय गौ भक्त श्री संजीव कृष्ण ठाकुर जी महाराज, वृन्दावन।
91. पूजा भागवत किंकर श्री अनुराग कृष्ण शास्त्री जी महाराज कन्हैया जी, वृन्दावन।
92. पूज्य भागवताचार्य श्री इंद्रेश उपाध्याय जी महाराज, वृन्दावन।
93. पूज्य पुराण आचार्य श्रद्धेय पंडित श्री रवि शंकर पाराशर बबेले जी महाराज, वृन्दावन।
94. पूज्य भागवताचार्य श्री गिरधर गोपाल शास्त्री जी महाराज, जयपुर।
95. पूज्य पंडित श्री आनंद बल्लभ गोस्वामी जी महाराज सेवायत बांके बिहारी मंदिर।
96. पूज्य ब्रजरस रसिक श्री रविनंदन शास्त्री जी महाराज, पठानकोट, वृन्दावन।
97. पूज्य आचार्य श्री योगेन्द्र शास्त्री जी महाराज, वृन्दावन।
98. श्रद्धेय भागवताचार्य श्री धीरज कृष्ण शास्त्री जी महाराज, कौशी।
99. श्रद्धेय भागवताचार्य अच्युत कृष्ण जी महाराज, वृन्दावन।
100. श्रद्धेय भागवताचार्य श्री रमण बिहारी जी महाराज, वृन्दावन।
101. पूज्य श्री महंत अशोक नारायण दास जी महाराज लक्ष्मण मंदिर, गोवर्धन।
102. परम पूज्य बृजेश दास जी महाराज।
103. गौरांग दास जी महाराज।
104. श्री बृजमोहन दास जी महाराज।
105. पूज्य राम कृष्ण दास जी महाराज, धूलिया वाली कुंज श्री वृन्दावन।
106. डॉ. मनोज मोहन जी शास्त्री।
107. श्री नंदकिशोर नंदू जी।
108. स्वामी श्री श्याम सुंदर ब्रजवासी जी।
109. स्वामी श्री रामशरण जी, वृन्दावन।
110. श्री अशोक व्यास जी, वृन्दावन।
111. श्री विपिन बापूजी, वृन्दावन।
112. श्री बुद्धि प्रकाश आचार्य जी, वृन्दावन।
113. श्री मुकेश मोहन शास्त्री जी।
114. श्रीराम मुद्गुल शास्त्री जी, वृन्दावन।
115. श्री अभिषेक कृष्ण व्यास जी, वृन्दावन।
116. श्री चैतन्य किशोर कटारे जी।
117. श्री शिवम् साधक जी।
118. श्री स्वामी प्रेम चंद्र शर्मा जी।
119. श्री विनय पाठक जी।
120. श्री राजेश अग्निहोत्री जी।
121. श्री कीर्ति किशोरी जी।
122. स्वामी श्री मुक्तानन्दपुरी जी महाराज, अलवर (राज.)
123. परम पूज्य स्वामी श्री गिरीशानंद जी महाराज, सांकेत धाम, जबलपुर

## **We are grateful to the following Most Revered Saints of Braj who have graced and blessed the Yamuna Mission:**



1. Param Puja Juna Peethadheeshwar Swami Shri Avdheshanand Giri Ji Maharaj, Harihar Ashram, Kankhal Haridwar.
2. Param Puja Yoga Rishi Swami Shri Ramdev Ji Maharaj, Patanjali Yoggram, Haridwar.
3. His Holiness the Dalai Lama Ji Maharaj, Dharamsala.
4. Param Puja Sant Shri Morari Bapu Ji Maharaj.
5. Param Puja Sant Shri Ramesh Bhai Ojha "Bhai Shree" Ji Maharaj.
6. Param Puja Chatur Sampradaya Shri Mahant Phooldol Bihari Das Ji Maharaj, Vrindavan.
7. His Holiness Rasikacharya Mahant Shri Kishore Dev Ji Maharaj, Gori Lal Kunj Vrindavan.
8. Param Puja Tila Dwaraacharya Mangal Peethadheeshwar Shri Madhvacharya Ji Maharaj, Dakor Dham, Mumbai.
9. Param Puja Agripitadheeshwar Swami Shri Raghavacharya Ji Maharaj, Raivasa Dham, Rajasthan.
10. Param Puja Pipadvaracharya Shri Balram Das Ji Maharaj, Sukh Dham, Vrindavan.
11. Param Puja Nabhadvaracharya Shri Sutikshan Das Ji Maharaj, Sudama Kuti, Vrindavan.
12. Param Puja Adyavarahpeethadhishwar Mahant Shri Rampravesh Das Ji Maharaj, Varah Ghat, Vrindavan.
13. His Holiness Jagadguru Ramanujacharya Swami Shri Raghavacharya Ji Maharaj, President Shri Ram Lalla Sadan, Ayodhya.
14. His Holiness Mahant Shri Hari Shankar Das Naga Ji Maharaj, President Akhara Parishad, Vrindavan.
15. Param Puja Swami Vigyanand Saraswati Ji Maharaj, Geeta Ashram, Vrindavan.
16. Param Puja Swami Ramdevanand Saraswati Ji Maharaj, Uma Shakti Peeth, Vrindavan.
17. Param Puja Saint Shri Bihari Das Ji Bhakimali Ji Maharaj, Sharanagat, Ashram, Vrindavan.
18. His Holiness Swami Maheshanand Ji Maharaj, Akhandanand Ashram, Vrindavan.
19. Param Puja Saint Shri Naval Ram Ji Maharaj, Shri Ram Seva Ashram, Vrindavan.
20. Param Puja Govats Shri Radha Krishna Ji Maharaj, Jodhpur
21. Param Puja Radha Ballabhi Sant Shri Rasik Madhav Das Ji Maharaj, Prem Gali, Vrindavan.
22. Param Puja Bhagwatacharya Shri Krishna Chandra Shashtri Thakur Ji Maharaj Vrindavan.
23. Param Puja Karshni Swami Omkaranand Ji Maharaj, Karshni Udasi, Ashram, Delhi.
24. Param Puja Mahant Swami Dinesh Giri Ji Maharaj, Shri Buddhagiri Ji Ki Madhi, Fatehpur Sikar, Rajasthan.
25. Param Puja Swami Bhaskaranand Ji Maharaj, Akhand Daya Dham, Vrindavan.
26. Param Puja Karshni Swami Hardevanand Ji Maharaj, Gokul Ramanreti.
27. Param Puja Mahant Shri Swami Venu Gopal Das Ji Maharaj, Nikunj Van Ashram, Vrindavan.
28. His Holiness Rasik Shri Albeli Sharan Ji Maharaj, Gorelal Kunj, Vrindavan.
29. Param Puja Paramhans Ji Maharaj, Vrindavan.
30. Param Puja Mahant Swami Shri Raghunath Bharti Ji Maharaj, Sindhari, Barmer, Rajasthan.
31. Param Puja Swami Advaita Muni Ji Maharaj, Srota Muni Niwas, Shri Vrindavan Dham.
32. Param Puja Swami Shri Anilanand Ji Maharaj, Vrindavan.
33. Param Puja Shri Rajeshwaranand Ji Maharaj.
34. Puja Swami Parmanand Ji Maharaj.
35. Param Puja Swami Jyotirmyanand Ji Maharaj, Amarkantak, Madhya Pradesh.



36. Param Puja Swami Vivek Muni Ji Maharaj, Vrindavan.
37. Param Puja Shri Bageshwar Dham Peethadheeshwar Pandit Shri Dharendra Krishna Maharaj.
38. His Holiness Shripati Peethadheeshwar Shri Govind Ballabh Das Ji Maharaj, Nandanvan, Rajpura, Sirohi, Rajasthan.
39. Param Puja Swami Shri Ravindranand Ji Maharaj, Thanapati, Juna Akhara. Haridwar.
40. His Holiness Mahant Shri Ram Ratan Das Ji Maharaj, Shri Rajaram Gaushala, Titoda Banaskantha, Gujarat.
41. V. Puja Shri Pundrikash Vedanti Ji Shri Hardev Mandir, Vrindavan
42. Puja Shri Abhiram Acharya Ji Maharaj, Prayagraj.
43. Param Puja Sant Shri Sohni Sharan Ji Maharaj, Radha Bavari, Vrindavan.
44. Puja Shri Bihari Sharan Ji Maharaj, the place of the tatiya.
45. Param Puja Saint Shri Abhiram Das Ji Maharaj, Chitrakoot.
46. Puja Sant Shri Anantanand Das Ji Maharaj, Malook Peeth.
47. Param Puja Mahant Shri Mohan Das Ji Maharaj, Shri Krishna Ashram, Govardhan.
48. Param Puja Saint Shri Raghav Das Ji Maharaj, Kusum Sarovar, Govardhan.
49. Param Puja Saint Shri Balram Das Ji Maharaj, Rajasthan.
50. Bundelkhand Peethadheeshwar Mahant Shri Sitaram Das Ji, Nirmohi Akhara, Govardhan.
51. Param Puja Hari Ram Shastri Ji Maharaj, Ramdwara, Jodhpur.
52. Param Puja Saint Shri Priya Das Ji Maharaj, Vrindavan.
53. Param Puja Saint Shri Chetan Ram Ji Maharaj.
54. Param Puja Saint Shri Shravan Ram Ji Maharaj.
55. Param Puja Saint Kimat Ram Ji Maharaj.
56. Param Puja Saint Shri Kanhaiya Das Ji Maharaj, Churu.
57. Param Puja Sant Shri Santram Ji Maharaj.
58. Bal Sant Shri Sanyam Ram Ji Maharaj, Ramsnehi, Jodhpur.
59. Param Puja Saint Shri Radha Charan Das Ji Maharaj, Panighat, Vrindavan.
60. Puja Swami Shri Radheshyam Ji Maharaj, Shahabad, Markanda, Vrindavan.
61. Sadhvi Preeti Priyamvada Ji, Jodhpur.
62. Brajras Rasika Sadhvi Poonam Didi ji.
63. Puja Mahant Shri Laxman Das Ji Maharaj, Triveni Sangam, Prayagraj.
64. Param Puja Saint Shri Charan Das Ji Maharaj, Dhirmsir, Vrindavan.
65. Param Puja Saint Shri Vasudev Sharan Ji Maharaj, Shri Krishna Kripa Dham, Vrindavan.
66. Param Puja Shri Ganga Baba Maharaj, Kesighat, Vrindavan.
67. Param Puja Sant Rasraj Das Ji Maharaj, Vrindavan.
68. Sant Shri Dharamdas Ji Maharaj, Nepal.
69. Saint Shri Mithila Bihari Das Ji Maharaj, Vrindavan.
70. Sant Shri Shyam Sharan Das Ji Maharaj, Chitrakoot.
71. Param Gosevi Saint Shri Tara Baba Ji Maharaj.
72. Gau Sevak Shri Akhileshwar Das Ji, Kashi.
73. Param Puja Saint Shri Achayutanand Ji Maharaj, Jagannathpuri.
74. Sant Shri Munishwar Das Ji Maharaj, Sudama Kuti, Vrindavan.
75. Sant Shri Maha Ram Mangal Das Ji Maharaj, Vrindavan.





76. Sant Shri Raj Kishore Das Ji Maharaj, Vrindavan.
77. Sant Shri Ram Sajeevan Das Ji Maharaj, Vrindavan.
78. Rajmata Saubhagya Kanwar Ranawat, a descendant of Shri Mirabai Ji, Chittorgarh.
79. Dr Jaya Dave, former President Sanskrit Academy, Rajasthan and Minister of State.
80. Bhagwat Acharya Shri Gupteshwar Pandey Ji former DGP, Bihar, Patna.
81. Pujya Pad Goswami Shri Kishore Chandra Ji Maharaj, Moti Haveli, Junagadh, Gujarat.
82. Pujya Pada Goswami Shri Pankaj Baba Ji Maharaj, Gokul.
83. Pujya Pada Goswami Shri Bhushan Baba Ji Maharaj.
84. Yuvraj Goswami Shri Mohit Maharaj Ji Maharaj at Pujya, Shri Radha Vallabh Temple, Vrindavan.
85. Goswami Shri Shobhit Ji Maharaj, Shri Radha Vallabh Temple, Vrindavan.
86. Pujya Pad Shri Rasiya Baba Maharaj, Sharnagati Ashram, Vrindavan.
87. Param Pujya Bhagwatacharya Shri Acharya Badri Ji Maharaj
88. Param Pujya Saint Shri Kishori Sharan Ji Maharaj Haridasi, Vrindavan.
89. Param Puiva Bhagwatacharya Dr Shree Shyam Sundar Parashar J Mahara),
90. Param Puja Gau Bhakt Shri Sanjeev Krishna Thakur Ji Mahara), Vrindavan.
91. Pooja Bhagwat Kinkar Shri Anurag Krishna Shastri Ji Maharaj Kanhaiya ji, Vrindavan.
92. Pujya Bhagwatacharya Shri Indresh Upadhyay Ji Maharaj, Vrindavan.
93. Puiva Purana Acharya Revered Pandit Shri Ravi Shankar Parashar Babele ji Maharaj, Vrindavan.
94. Pujya Bhagwatacharya Shri Girdhar Gopal Shastri Ji Maharaj, Jaipur.
95. Puiva Pandit Shri Anand Ballabh Goswami Ji Maharaj Sevayat Banke Bihari Mandir.
96. Puiya Brajras Rasik Shri Ravinandan Shastri Ji Maharaj, Pathankot, Vrindavan.
97. Param Pujya Acharya Shri Yogendra Shastri Ji Maharaj, Vrindavan.
98. Param Pujya Bhagwatacharya Shri Dheeraj Krishna Shastri Ji Maharaj, Koshi.
99. Param Pujya Bhagwatacharya Achyuta Krishna Ji Maharaj, Vrindavan.
100. Param Pujya Bhagwatacharya Shri Raman Bihari Ji Maharaj, Vrindavan.
101. Pujya Shri Mahant Ashok Narayan Das Ji Maharaj Laxman Mandir, Govardhan.
102. Param Pujya Brijesh Das Ji Maharaj
103. Shri Gaurang Das Ji Maharaj
104. Shri Brijmohan Das Ji Maharaj
105. Pujya Ram Krishna Das Ji Maharaj, Dhulia Wali Kunj Shri Vrindavan.
106. Dr. Manoj Mohan Ji Shastri
107. Shri Nandkishore Nandu Ji
108. Swami Shri Shyam Sundar Brajwasi Ji
109. Swami Shri Ramsharan Ji, Vrindavan
110. Shri Ashok Vyas Ji, Vrindavan
111. Shri Vipin Bapu Ji, Vrindavan
112. Shri Buddhi Prakash Acharya ji, Vrindavan
113. Shri Mukesh Mohan Shastri
114. Shri Ram Mudgal Shastri Ji, Vrindavan
115. Shri Abhishek Krishna Vyas Ji, Vrindavan
116. Shri Chaitanya Kishore Katore

- 117. Shri Shivam Sadhak ji
- 118. Swami shri Prem Chandra Sharma
- 119. Shri Vinay Pathak
- 120. Shri. Rajesh Agnihotri Ji
- 121. Shri. Kirti Kishori Ji
- 122. Swami Shri Muktanand Puri Ji Maharaj, Alwar (Raj.)
- 123. Param Pujya Swami Shri Girishanand Ji Maharaj, Saket Dham, Jabalpur



14/5/15

आज दिनांक 14/5/15 को श्री कृष्णगंगाघाट के पुनरोद्धार का कार्य देखा। यमुना जी से मावपूर्ण आरती का सुश्रवण प्राप्त हुआ। कार्य अत्यधिक खराबी में होने का दर्ज है। वृक्षों के प्रत्यक्ष प्रभाव के कारण है। भिन्न कार्य को सतत करने में सक्षम बनाने के लिए हम सभी प्रयास करेंगे जो सहयोग प्रदान करने के लिए प्रयास किए जावेंगे।

शुभकामनाओं सहित  
नमस्ते प्रणाम  
R. M. D. K.

आज दिनांक 15.5.15 को घाट पर आगमन हुआ। प्रयास अत्यंत सराहनीय है। माव की व्यावहारिक और मौखिक है।

श्री कृष्ण की स्थली को अपने पुनर्जन स्वरूप में ले जाने के प्रयास उस अनुभूति की लक्ष्य ले जाते हैं जहां मा यमुना संपूर्ण सम्पूर्ण माया व जीवन्तता से प्रभावित थी जिन्हें सावित्र में माया के रूप का व्यक्तित्व अपनी पूर्ण देवता के माध्यम से प्राप्त करने की जीवनना साक्षात् भगवान श्री कृष्ण की सावित्र की अनुभूति प्राप्त होगी - जब हो

जब श्री कृष्ण  
सीमा प्रणाम

श्री हरि नमः

Date / /  
Page No.  
Signature

श्री यमुना मिशन का वृक्षारोपण यमुना वक्षण हो है यमुना जी में वृक्षों को ऐसे संक में भर लिया है। माया में सच्चे यमुना प्रणाम है। इनकी सेवा निहकाय निःस्वार्थ है। ठाकुर जी मिशन पर लपक कर उत्तरोत्तर बढ़ते हैं।

नमः सियाराम  
राम प्रवेश दास  
श्री कृष्णगंगा घाट पर वृक्षारोपण

27/1/18

प्रदीप गुला  
भारत के राष्ट्रपति का निजी सचिव  
Private Secretary to the President of India



राष्ट्रपति भवन,  
नई दिल्ली - 110004  
Rashtrapati Bhavan,  
New Delhi - 110004

फ़ोन: 011-23012602/23013172  
फ़ैक्स: 011-23011689

दि. 9/मई/2015  
दिनांक: 20 मई, 2015

प्रिय श्री रम्या जी,

भारत के राष्ट्रपति जी को प्रेषित आपका दिनांक 8 मई, 2015 का पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें आपने यमुना नदी के प्रदूषित पवित्रीकरण, सौंदर्यकरण करने के कार्य में सहयोग करने का अनुरोध किया है।

राष्ट्रपति जी इस शुभ कार्य के लिए आपको शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।

आपका,  
प्रदीप गुला  
(प्रदीप गुला)

श्री अनिल शर्मा,  
संयोजक,  
यमुना शुद्धि संकल्प मिशन-2015,  
सरस्वती कुण्ड,  
मधुप-281001 (उ.प्र.)

प्रतिलिपि: अवर सचिव (पी), राष्ट्रपति सचिवालय को—प्रार्थना-यह मूल रूप में आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

28/1/15

॥ नमोस्तु भगवते नमः ॥

श्री यमुना शुद्धि संकल्प मिशन - 2015 का संचालन

वर्ष में आरंभित हुआ - सवित्र भाग्यवान -

श्री वंशज जीनेकर नदी का देखा है।

आखिरी में पुर्व में श्री यमुना जी को 'हाद्री' -

एवं 'हाद्री' का कला है उसका दर्शन कृष्ण -

गंगा घाट में घाट अर्ध पर हो रहा है।

जिसमें हमने गंगीर जल के प्रोत्साहन टांगे

हो रहे उसे - हाद्री, वातक का कला है।

महज उभर रहा है इससे मेरा प्रार्थना

सम्पूर्ण यमुना जी का प्रोत्साहन एवं प्रोत्साहन

स्वरूप का प्रोत्साहन हो सकता है।

वातक का प्रोत्साहन की प्रार्थना फलदायी

नमः सियाराम

राष्ट्रपति सचिवालय

नमः सियाराम











